के.डी.न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 36 सुलतानपुर मंगलवार 10 दिसम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

नारी शक्तिबनेगी विकसित भारत का आधार

बीमा सखी योजना के उद्घाटन पर बोले पीएम मोदी

एजेंसी/नयी दिल्ली ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को हरियाणा के पानीपत में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की 'बीमा सखी योजना' का उद्घाटन किया। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। प्रधानमंत्री ने पानीपत से वर्चुअल माध्यम से बटन दबाकर करनाल के महाराणा प्रताप उद्यान विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण का शिलान्यास भी किया। जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक और मजबूत कदम उठा रहा है। आज का दिन एक और वजह से खास है। आज 9 तारीख है और शास्त्रों में अंक 9 को बहुत शुभ माना जाता है। 9 अंक का संबंध मां दुर्गा के नौ रूपों से है। आज का दिन भी नारी शक्ति की उपासना जैसा ही है। आज 9 दिसंबर को ही संविधान सभा की पहली बैठक हुई थी। ऐसे समय में जब देश संविधान के 75 वर्ष का महोत्सव मना रहा है। विश्व को नीति और धर्म का ज्ञान देने वाली महान धरती पर आज के दिन आना और भी सुखद है। इस समय कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव भी चल रहा है। मैं गीता की इस धरती को प्रणाम करता हूं। बीमा सखी योजना का शुभारंभ पानीपत से हो रहा है। ऐसे में पानीपत एक प्रकार से नारी शक्ति की प्रतीक भूमि बन गया है। हमारी महिलाएं विकसित भारत का बहुत बड़ा आधार बनेंगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान सभी माताओं–बहनों ने नारा लगाया था कि म्हारा हरियाणा, नॉनस्टॉप हरियाणा। हमारी सरकार ने बीते 10 सालों में नारी सशक्तिकरण के लिए अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। आज हरियाणा के पानीपत में बीमा सखी योजना का शुभारंभ और विकास परियोजनाओं का लोकार्पण–शिलान्यास करते हुए मुझे खुशी हो रही है। कई बार जब हम किसी खिलाड़ी को पदक जीतने के बाद गर्व से बोलते हुए सुनते हैं, तो हम भूल जाते हैं कि उस खिलाड़ी ने, उस बेटी ने इसे हासिल करने के लिए वर्षों की कड़ी मेहनत की है। जब कोई एवरेस्ट पर तिरंगे के साथ फोटो लेता है तो हम भूल जाते हैं कि उस व्यक्ति को शिखर तक पहुंचने में कितने वर्षों का संघर्ष करना पड़ा था। आज श्बीमा सखी योजना का शुभारंभ भी वर्षों की कड़ी मेहनत का परिणाम है। पीएम मोदी ने कहा कि नारी को सशक्त करने के लिए बहुत आवश्यक है कि उन्हें आगे बढ़ने के खूब अवसर मिलें, उनके सामने से हर बाधा हटे। हरियाणा ने एक है तो सेफ है९ के मंत्र को जिस तरह अपनाया है, वह देश में उदाहरण बना है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार को बने अभी कुछ सप्ताह ही हुए हैं, लेकिन तारीफ पूरे देश में हो रही है। सरकार बनते ही यहां बिना किसी लागत या सिफारिश के हजारों युवाओं को स्थाई नौकरी मिली है और यह देश ने देखा है। उन्होंने कहा कि आजादी के इतने साल बाद भी अधिकतर महिलाओं के बैंक खाते नहीं थे। उनकी सरकार ने सबसे पहले माताओं–बहनों के जनधन बैंक खाते खुलवाए। आज गर्व है कि 30 करोड़ महिलाओं के बैंक खाते खुल गए। आज जनधन बैंक खाते न होते तो गैस सब्सिडी के पैसे महिलाओं के खाते में न आते। रेहड़ी लगाने वाली महिलाओं के लिए बैंक के दरवाजे हमेशा बंद रहते हैं। गांव–गांव में बैंकिंग सुविधा पहुंचाने में हमारी बहनों ने भूमिका निभाई है। जिनके बैंक खाते नहीं थे, वे अब बैंक सखी बनने जा रही हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि जब महिलाओं को आगे बढ़ने का मौका दिया जाता है, तो वे देश के लिए आगे बढ़ने के नए दरवाजे खोलती हैं। लंबे समय तक हमारे देश में कई ऐसे क्षेत्र थे, जहां महिलाएं काम नहीं कर पाती थीं, लेकिन हमारी भाजपा सरकार ने बेटियों की राह में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करने का फैसला किया। अब बेटियों को सेना की अग्रिम पंक्ति में तैनात किया जा रहा है।0000000

इंदौरः उच्च न्यायालय ने स्पीकर नरेंद्र तोमर और विधायक निर्मला सप्रे को नोटिस जारी किया

एजेंसी/इंदौर ।मध्य प्रदेश के बीना विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्मला सप्रे की सदस्यता खत्म किए जाने संबंधी याचिका पर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में सोमवार को सुनवाई हुई। इस पर न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विधायक निर्मला सप्रे को नोटिस जारी किया। इस मामले की अगली सुनवाई 19 दिसंबर को होगी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की ओर से उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है। इस याचिका में कहा गया है कि सागर जिले की बीना विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक के तौर पर निर्वाचित निर्मला सप्रे ने दल बदल लिया है इसीलिए उनकी सदस्यता खत्म की जाए। विधायक पर आरोप लगाया गया है कि वे पिछले छह माह से भाजपा के कार्यक्रमों में शामिल हो रही हैं। अब तक उनकी सदस्यता रद्द नहीं की गई है। उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने सोमवार को इस मामले में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और विधायक निर्मला सप्रे को नोटिस जारी किया। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे राहतगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुई थी, जहां मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने उन्हें भाजपा का चिन्ह (पटका) दिया था। इतना ही नहीं उसके बाद से निर्मला सप्रे लगातार भाजपा के कार्यक्रमों में शामिल हो रही हैं। इस पर कांग्रेस की ओर से लगातार आपत्ति की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा अध्यक्ष को एक आवेदन देकर विधायक की सदस्यता खत्म करने का आग्रह किया था, लगभग ढाई महीने बाद यह बात सामने आई कि फाइल ही गुम हो गई है। उसके बाद नेता प्रतिपक्ष ने संबंधित दस्तावेज विधानसभा अध्यक्ष को भेजें। उसके बाद भी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद ही नेता प्रतिपक्ष ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

हंगामे के कारण नहीं दे पाये रेल मंत्री चर्चा का जवाब

एजेंसी/नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण दो बार के स्थगन के बाद तीसरी बार दो बजे सदन की कार्यवाही शुरू होते ही जब रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रेल संशोधन विधेयक पर चर्चा का जवाब देने लगे तो विपक्षी सदस्यों ने भारी हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही दो बार पहले के स्थगन के बाद भोजनावकाश के बाद जैसे ही शुरू हुई, विपक्षी सदस्यों ने पहले की तरह हंगामा शुरू कर दिया। वैष्णव ने जवाब देने का प्रयास किया लेकिन हंगामा बढ़ने लगा और पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने सदन की कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह 11 बजे सदन के समवेत होने पर अध्यक्ष ओम बिरला के आसन पर आते ही विपक्षी सदस्य अपने स्थानों से उठ कर कुछ मुद्दे उठाने लगे तो बिरला ने सदस्योंसे पूछा कि क्या वे सदन नहीं चलने देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रश्नकाल में किसी विषय को नहीं उठाया जाता है। बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू होने के तत्काल बाद 12 बजे तक स्थगित कर दी। एक बार के स्थगन के बाद 12 बजे जैसे ही सदन शुरू हुआ, पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने शोरगुल के बीच ही आवश्यक दस्तावेज सदन के पटल पर रखवाये और हंगामा कर रहे सदस्यों से अपने–अपने स्थान पर बैठने की अपील की। विपक्षी सदस्यों पर इसका कोई असर नहीं हुआ और शोरगुल जारी रहा तो उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

चांदनी चौक लोकसभा सीट के विजेता बने प्रवीन खंडेलवाल को, भाजपा ने हर्षवर्धन की जगह दिया था टिकट

लोकसभा चुनाव में चांदनी चौक सीट को जीतकर भारतीय जनता पार्टी के प्रवीण खंडेलवाल सांसद हो गए हैं। इस चुनाव में उन्होने दिल्ली कांग्रेस के दिग्गज नेता जय प्रकाश अग्रवाल को हराया है। चांदनी चौक सीट विजय गोयल, कपिल सिब्बल से होते हुए डाक्टर हर्षवर्धन तक की पहचान रही है।

एजेंसी/नई दिल्ली। कुछ समय पहले संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में चांदनी चौक सीट को जीतकर भारतीय जनता पार्टी के प्रवीण खंडेलवाल सांसद हो गए हैं। इस चुनाव में उन्होंने दिल्ली कांग्रेस के दिग्गज नेता जय प्रकाश अग्रवाल को हराया है। चांदनी चौक सीट विजय गोयल, कपिल सिब्बल से होते हुए डॉक्टर हर्षवर्धन तक की पहचान रही है, पर इस चुनाव में भाजपा ने हर्षवर्धन के बदले प्रवीण खंडेलवाल पर भरोसा किया। खंडेलवाल चुनाव जीत गए। पार्टी ने हर्षवर्धन का टिकट काटकर दिल्ली की चर्चित चांदनी चौक लोकसभा सीट से प्रवीण खंडेलवाल को मैदान में उतारा था। प्रवीण खंडेलवाल को इस चुनाव में 5 लाख 16 हजार 496 वोट मिले।इस तरह प्रवीण खंडेलवाल 18वीं लोकसभा के लिए करीब 90 हजार मतों के अंतर से चुनाव जीत कर संसद पहुंच रहे हैं। चांदनी चौक लोकसभा सीट कई पार्टियों के दिग्गजों का गढ़ रही है। इस सीट से 1998 और 1999 में लगातार दो बार भारतीय जनता पार्टी के विजय गोयल की जीत हुई। वहीं 2004 और 2009 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कपिल सिब्बल जीते। 2014 के चुनाव में, नरेंद्र मोदी के उभार के समय इस सीट से डॉक्टर हर्षवर्धन ने चुनाव लड़ा और वह जीत गए। पार्टी ने पिछले चुनाव में भी उनको टिकट दिया और उन्होंने जीत का सिलसिला बरकरार रखा। इस चुनाव में उनका टिकट कट गया और खंडेलवाल को मौका मिला।

प्रवीण खंडेलवाल का राजनीतिक सफर

सांसद प्रवीण खंडेलवाल का एक परिचय दिल्ली के चर्चित बिजनेसमैन के तौर पर है। वह दिल्ली के व्यापारियों के बीच अच्छी पकड़ रखते हैं। खंडेलवाल कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स यानी ब्।प्ज के महासचिव हैं। ब्।प्ज को देश के व्यापारियों और एसएमई क्षेत्र का सबसे बड़ा निकाय माना जाता है। अगर उनकी राजनीतिक यात्रा पर गौर करें तो हम पाते हैं कि 2017 में खंडेलवाल को सरकार की जीएसटी पैनल के लिए नॉमिनेट किया गया था।

इसके अलावा जुलाई 2021 में खंडेलवाल को ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स यानी व्छक्ब् का सदस्य बनाया गया। साल 1960 में जन्मे खंडेलवाल की की औपचारिक शिक्षा–दीक्षा दिल्ली ही में हुई है। उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी से एलएलबी की डिग्री हासिल की और फिर वह बाद में वह बिजनेस में आ गए। खंडेलवाल ने कई व्यवसायिक संस्थाओं का गठन किया और चीनी सामानों के बहिष्कार के लिए देशभर अभियान भी चलाया।

राज्यसभा के उपचुनाव के लिए भाजपा ने की प्रत्याशियों के नाम की घोषणा

एजेंसी/नयी दिल्ली ।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने सोमवार को राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपने तीन प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने नोटिफिकेशन जारी किया गया है। भाजपा ने हरियाणा, आंध्र प्रदेश और ओडिशा के लिए उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। पार्टी ने राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा को हरियाणा से राज्यसभा चुनाव के लिए प्रत्याशी बनाया है। रेखा शर्मा करीब 9 साल तक राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं। गौरतलब है कि हरियाणा में भाजपा नेता कृष्ण लाल पंवार के इस्तीफे के बाद राज्यसभा की एक सीट रिक्त हुई थी। कृष्ण लाल पंवार इसराना सीट से जीत दर्ज कर विधानसभा चुनाव पहुंचे और नायब सैनी सरकार में विकास एवं पंचायत, खान और भूविज्ञान मंत्री बने हैं। इसके अलावा भाजपा ने आंध्र प्रदेश से रयागा कृष्णैया के नाम पर मुहर लगाई है, जबकि ओडिशा से सुजीत कुमार को प्रत्याशी बनाया है। इससे पहले चुनाव आयोग ने राज्यसभा की छह खाली सीटों पर चुनाव के लिए अधिसूचना जारी की थी। इन सीटों पर 20 दिसंबर को चुनाव होंगे, जबकि नतीजे भी उसी दिन जारी किए जाएंगे। आयोग को 24 दिसंबर से पहले इन सीटों पर चुनाव संपन्न कराना है। इन छह सीटों में से तीन सीटें आंध्र प्रदेश की हैं। इसके अलावा हरियाणा ,पश्चिम बंगाल और ओडिशा की एक–एक सीट पर चुनाव होंगे। बता दें कि सभी सीटें मौजूदा सांसदों के इस्तीफे के बाद खाली हुई हैं। नामांकन की अंतिम तिथि 10 दिसंबर है। उम्मीदवार 13 दिसंबर तक नामांकन वापस ले सकते हैं।

सत्ता पक्ष ने लगाए विपक्ष पर आरोप, सदन में जमकर हुआ हंगामा

एजेंसी/नयी दिल्ली। भाजपा सांसदों ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ सदस्यों के संबंध जॉर्ज सोरोस व उनसे जुड़े हुए संगठनों के साथ हैं। भाजपा सांसदों का कहना था कि यह हमारी राष्ट्रीय एकता के लिए बहुत चिंता का विषय है। इन सांसदों ने इस मुद्दे पर राज्यसभा में नियम 267 के तहत चर्चा कराने की मांग की। कांग्रेस ने इस प्रकार के आरोपों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसका विरोध किया। इसके बाद सत्ता पक्ष की ओर से भी सदन में जमकर हंगामा हुआ और सदन की कार्यवाही को कुछ देर के लिए स्थगित करना पड़ा। सोमवार को राज्यसभा की कार्यवाही प्रारंभ होने पर सभापति ने बताया कि उन्हें चर्चा के लिए कुल 11 नोटिस मिले हैं। यह सभी नोटिस नियम 267 के अंतर्गत दिए गए थे। किसानों की स्थिति पर चर्चा के लिए रामजीलाल सुमन ने चर्चा का नोटिस दिया था। संतोष कुमार पी ने मणिपुर की कानून व्यवस्था पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था। कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी ने रतलाम के मध्य प्रदेश में अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों से दुर्व्यवहार पर चर्चा के लिए नोटिस दिया था। वहीं भाजपा के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी, डॉ लक्ष्मीकांत वाजपेयी, कविता पाटीदार, संजय कुमार झा व जीके वासन ने भारत के खिलाफ काम करने वाले संगठनों की राजनीतिक दलों से कथित सांठगांठ के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बढ़ती चुनौती पर चर्चा की मांग की। भाजपा की राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने सदन में कहा कि हमें कुछ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट से पता चला है कि कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ सदस्यों के संबंध जॉर्ज सोरोस व उनसे जुड़े हुए संगठनों के साथ हैं। यह हमारी राष्ट्रीय एकता के लिए बहुत चिंता का विषय है।

अब विदेश में बसे लोग अपने पूर्वजों के नाम से गांव का कर सकते है चहुमुखी विकास।

सुलतानपुर– प्रदेश में शुरू हुई योगी सरकार की महत्वाकांक्षी मातृ भूमि योजना के तहत अब विदेश में रह रहे यहाँ के नागरिक अपने पूर्वजों के नाम से गांव में चहुमुखी विकास कर सकते है। यह योजना उन लोगो के लिए रामबाण बन कर आई है। इस बात की जानकारी देते हुए जनपद के जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ल ने एक भेटवर्ता के दौरान के.डी न्यूज को बताई। उन्होंने आगे कहा कि विदेश में रह रहे यहां के नागरिक साथ ही प्राइवेट सेक्टर के लोग अपने गांव के विकास में बढ़चढ कर योगदान दे सकते है। इस योजना के तहत अमर शहीदों, आजादी दिलाने वाले क्रांतिकारियों या अपने पूर्वजों के नाम से गांव में बनने वाले जैसे सामुदायिक भवन, बारात घर,स्कूल, अस्पताल समेत तमाम लाभकारी योजनाओं पर कार्य करते हैं तो साठ प्रतिशत का व्यक्तिगत व चालीस प्रतिशत का सहयोग सरकार की तरफ से किया जाएगा। श्री शुक्ल ने आगे बताया कि जो विदेश में बसे यहाँ के नागरिक जो अपनी मातृभूमि से जुड़े रहना चाहते हैं और अपने पूर्वजों के नाम से गांव के विकास में योगदान करना चाहते हैं तो ऐसे में सरकार गांव में विकास कार्य कराने पर अनुदान दे कर कर प्रोत्साहित कर रही हैं। गांव में कराए गए कार्य का 60 प्रतिशत व्यक्तिगत और 40 प्रतिशत का सरकार सहयोग कर रही हैं। इससे गाँवो में जल्द ही कायाकल्प हो जाएगा।डीपीआरओ अभिषेक शुक्ल ने अंत मे कहा कि अधिक जानकारी के लिए समाचार पत्र के माध्यम या मुख्यालय से अथवा अपने बीडीओ कार्यालय व एडीओ पंचायत कार्यालय से इच्छुक व्यक्ति अधिक जानकारी ले सकते है।

संयुक्त टीम की कार्यवाही में कई कुन्तल लहन व सैकड़ों अबैध लीटर शराब की गई नष्ट।

सुलतानपुर न्यूज – आबकारी व पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा दी गई दबिश में कई कुन्तल लहान व सैकड़ों अबैध लीटर शराब की गई नष्ट।बताते चलें कि आबकारी विभाग ने मुखविर की सूचना पर

सोमवार को उपजिलाअधिकारी कादीपुर के नेतृत्व में आबकारी व पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कादीपुरखुर्द के जंगलिया में दबिश दी। इस कार्रवाई के दौरान ईट भट्टों पर सघन चेकिंग की गई। जिसमे कादीपुर खुर्द के जंगल क्षेत्र में लगभग 80 लीटर अबैध शराब व छसौ किलोग्राम लहन बरामद कर मौके पर नष्ट कराई गई। अवैध कच्ची शराब को मौके पर सिल कर सर्वमोहर किया गया है। इस कार्यवाही के दौरान टीम में उप जिलाधिकारी उत्तम कुमार तिवारी , आबकारी निरीक्षक गिरिराज सिंह, सिपाही विकास सिंह, सूबेदार यादव विजय बहादुर सरोज व वाहन चालक कलीम अंसारी मौजूद रहे।

अबकी बार रोडवेज बसों में फॉग लाईट नही अबकी बार दूसरे तरीके के लग रहे हैं फॉग बल्ब- एआरएम।

सुलतानपुर– सर्दी शुरू हो गई हैं लेकिन परिवहन निगम की बसों में फॉग लाईट नही लगाई जा रही है ।इस बात की शिकायत यात्रियों द्वारा परिवहन विभाग को कई बार की गई ,इसी बात की जानकारी के लिए के.डी न्यूज सोमवार को परिवहन निगम के एआरएम विनोद शुक्ल से मुलाकात कर यात्रियों की मिली शिकायतों पर सवाल किया। इस पूरे मामले पर एआरएम शुक्ल ने बताया कि। इस बार निगम ने कुछ कांसेप्ट चेंज किया है बगैर फॉग लाईट लगाने के एक तरीके के फॉग बल्ब आये हैं जो विभाग द्वारा अभी 40 बल्ब प्राप्त हुए हैं जिसमे से लगभग 22 बसों में लग गए हैं शेष 18 बसों में कल तक लग जायेंगे फिर इसके बाद दूसरी डिमांड करेगे। वर्तमान में हमारे पास बहत्तर बसें संचालित हो रही है,जल्द ही सभी बसों में फॉग बल्ब लगवा दिए जायेंगे।

आखिर शसम्राट चौधरी के सियासी उभार से हाशिए पर क्यों चले गए तेजस्वी यादव? इसे ऐसे समझिए

कमलेश पांडे ।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पूरी तरह से सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में अपनी शेखपुरा यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता देवेंद्र कुशवाहा से मुलाकात कर सियासी पारा हाई कर दिया है।

बिहार की प्रमुख विपक्षी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के लुढ़कते जनाधार से शसेक्यूलर सियासतदानश परेशान हैं। उनकी चिंता है कि भाजपा ने बिहार के युवा नेता और मौजूदा उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर दांव क्या लगाया, तेजस्वी यादव जितनी तेजी से उभरे थे, उससे भी तेज गति से हाशिए पर जाते प्रतीत हो रहे हैं! कोई इसे कांग्रेस नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और भाकपा माले की सियासी शोहबत का साइड इफेक्ट्स करार दे रहा है तो कोई इसे यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा जैसे नेताओं से जारी सियासी लुकाछिपी का असर करार दे रहा है। जबकि राजनीतिक प्रेक्षकों का मानना है कि लालू प्रसाद की तरह ही तेजस्वी यादव की मुस्लिम परस्त वाली राजनीतिक छवि एक ओर जहां मुस्लिम–यादव (एमवाई) समीकरण को उनसे जोड़े हुए है, जबकि इसकी प्रतिक्रिया में वो सवर्ण वोट भी उनसे छिटक गया, जो कभी मुख्यमंत्री और जदयू नेता नीतीश कुमार को राजनीतिक सबक सिखाने के लिए राजद और तेजस्वी यादव से जुड़ने की कोशिश किया था। लेकिन जैसे ही तेजस्वी यादव, नीतीश कुमार के आशीर्वाद से एक नहीं बल्कि दो–दो बार बिहार के उपमुख्यमंत्री बने, तो वो युवा जनाधार भी उनसे छिटक गया। इस बात का खुलासा तब हुआ जब लोकसभा चुनाव 2024 और बिहार विधानसभा उपचुनाव 2024 में शइंडिया गठबंधनश का बिहार में सूबाई इंजन बने रहने के बावजूद राजद प्रमुख तेजस्वी यादव अपनी वह राजनीतिक सफलता नहीं दोहरा पाए, जैसा कि उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में या उससे पहले प्रदर्शित किया था। बता दें कि बिहार की 40 लोकसभा सीटों में से महज 9 सीट ही इंडिया गठबंधन जीत सकी, जिसमें राजद को 4, कांग्रेस को तीन और भाकपा माले को दो सीटें मिलीं थीं। यह लोकसभा चुनाव 2019 के मुकाबले राजद का बेहतर परफॉर्मेंस है, लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव 2020 के मुकाबले काफी निराशाजनक, क्योंकि तब राजद राज्य की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के तौर पर उभरा था।

वहीं, बिहार विधानसभा उपचुनाव 2024 में 4 सीटों में से एक भी सीट राजद या उसके इंडिया गठबंधन को नहीं मिली। जबकि पड़ोसी राज्य यूपी में इंडिया गठबंधन की सूबाई इंजन सपा ने 80 में से 43 (सपा– 37 और कांग्रेस– 6) सीटें जीतकर बीजेपी को 50 प्रतिशत से अधिक सीटों पर जबरदस्त मात दी थी और यूपी विधानसभा उपचुनाव 2024 में भी 9 में से 2 सीटें जीतने में कामयाब रही। इससे तेजस्वी यादव का बिहार में चिंतित होना स्वाभाविक है। क्योंकि अब इंडिया गठबंधन की हवा निकल चुकी है और उसमें कांग्रेस के नेतृत्व पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसलिए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान तेजस्वी यादव को अपनी सियासी साख बचाने के लिए न केवल कड़ी राजनीतिक मशक्कत करनी पड़ेगी, बल्कि सियासी सूझबूझ भी नए सिरे से दिखानी होगी, जिसके आसार बहुत कम हैं।इसलिए अब यह कहा जाने लगा है कि भाजपा के सम्राट चौधरी दांव पर तेजस्वी यादव चारो खाने चित्त हो गए हैं। जहां लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी वाले शइंडिया गठबंधनश यानी समाजवादी पार्टी–कांग्रेस गठजोड़ की हासिल उपलब्धि की तरह को बिहार में कुछ खास नहीं कर पाए, वहीं बिहार विधानसभा उपचुनाव 2024 में उससे भी बुरा सियासी प्रदर्शन किया, जिससे अब उनके नेतृत्व पर ही सवाल उठने लगे हैं। कुछ लोगों का कहना है कि लालू प्रसाद यादव जैसे रघुवंश प्रसाद सिंह या जगतानंद सिंह जैसे कद्दावर नेताओं की दूसरी कतार की तरह राजद में अपने मुकाबले कोई दूसरी कतार बनने ही नहीं दिया, जिसका अब उन्हें राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।इतना ही नहीं, लालू प्रसाद जैसे भाजपा में सुशील मोदी जैसा बैकडोर शुभचिंतक रखते थे, कोई वैसा दूसरा हमउम्र शुभचिंतक पैदा करने में भी तेजस्वी यादव सर्वथा विफल रहे हैं!कहना न होगा कि आज शतेजस्वी यादवश और शसम्राट चौधरीश महज व्यक्ति नहीं, बल्कि विचार बन चुके हैं। तेजस्वी यादव जहां शसेक्यूलर जमातश की तरफदारी कर रहे हैं, वहीं सम्राट चौधरी अपने धर्मनिरपेक्ष मिजाज के बावजूद शप्रबल हिंदुत्वश के समर्थकों की एकमात्र उम्मीद बनकर उभरे हैं और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की तरह दबंगई पूर्वक अपनी बात रखते हैं। यही वजह है कि पहले उन्हें बीजेपी ने मंत्री बनाया, फिर प्रदेश अध्यक्ष बनने का मौका दिया और उसके बाद सीधे उपमुख्यमंत्री बना दिया।

वहीं, सम्राट चौधरी के बढ़ते सियासी ग्राफ का सेंसेक्स इस बात का संकेत दे रहा है कि भविष्य में तीसरी पीढ़ी के भाजपा नेताओं से जब प्रदेश में ओबीसी मुख्यमंत्री या फिर देश में ओबीसी प्रधानमंत्री बनाने की बात छिड़ेगी तो सम्राट चौधरी के नामों को खारिज करना इसलिए भी कठिन हो जाएगा, क्योंकि पूर्वी भारत में वो एकमात्र ऐसे भाजपा नेता हैं जिन्हें न केवल पीएम नरेंद्र मोदी और एचएम अमित शाह पसंद करते हैं, बल्कि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी उनके सियासी अंदाज को तवज्जो देते हैं। यह बात मैं इसलिए बता रहा हूँ ताकि बिहारवासी यह समझ सकें कि सियासत एक चक्रब्युह है, जिसे अमूमन तलाश किसी अभिमन्यु की रहती है, लेकिन समकालीन अर्जुन वह गलतियां नहीं दुहराता, जो महाभारत काल में दुहराई जा चुकी हैं। आज लालू प्रसाद और शकुनी चौधरी जैसे सियासी धुरंधर पग–पग पर अपने पुत्रों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। आपको पता होगा कि बिहार की राजनीति को लगभग 15 वर्षों तक (1990–2005) अपने हिसाब से हांकने वाले पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के तेजस्वी पुत्र तेजस्वी यादव हैं, जबकि उस दौर में भी लालू प्रसाद को कड़ी सियासी चुनौती देने वाले उनकी ही सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शकुनी चौधरी के यशस्वी पुत्र सम्राट चौधरी हैं, जो बिहार के सबसे कम उम्र के मंत्री बनने का रिकॉर्ड स्थापित कर चुके हैं। यह उनके राजनीतिक सूझबूझ का ही तकाजा है कि आज वो कुशवाहा नेता उपेंद्र कुशवाहा को काफी पीछे छोड़ चुके हैं, जो उनके पिता शकुनी चौधरी के प्रबल राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी समझे जाते थे।बिहार की राजनीति में सम्राट चौधरी जितना फूंक–फूंक कर सियासी कदम उठा रहे हैं, उससे साफ पता चलता है कि अपने स्वर्णिम राजनीतिक भविष्य के लिए वह कोई जोखिम मोल लेना नहीं चाहते हैं। वहीं, पटना से लेकर दिल्ली तक जिस तरह से अपने शुभचिंतकों से जुड़े दिखाई प्रतीत होते हैं, उससे उनके प्रतिस्पर्धी नेता भी खुन्नस खा रहे हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के शपथ ग्रहण समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ उनकी असरदार मौजूदगी भी दिल्ली के राजनीतिक गलियारे में चर्चा का विषय बनी हुई है।

राजनीतिक लोग बता रहे हैं कि कभी नीतीश कुमार को सियासी आईना दिखाने वाले सम्राट चौधरी अब परिस्थितिवश जितना बेहतर तालमेल प्रदर्शित कर रहे हैं, उसका इशारा भी साफ है कि नीतीश कुमार का राजनीतिक सूर्य अस्त होते ही सम्राट चौधरी उस सियासी शून्य को भरकर बिहार भाजपा को वह राजनीतिक ऊर्जा प्रदान करेंगे, जो उसे इन दिनों यूपी से महाराष्ट्र तक मिल रही है। ऐसा तभी संभव होगा, जब तेजस्वी यादव को बिहार विधान सभा चुनाव 2025 में एक और शिकस्त मिलेगी। टीम भाजपा अभी अपने इसी मिशन में जुटी हुई है।

उधर, बिहार विधानसभा चुनाव से पहले आरजेडी नेता तेजस्वी यादव पूरी तरह से सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में अपनी शेखपुरा यात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता देवेंद्र कुशवाहा से मुलाकात कर सियासी पारा हाई कर दिया है। इस मुलाकात के बाद जिले की सियासत गर्म हो गई है, क्योंकि कुशवाहा ने कहा कि उन्होंने पंचायत की समस्याओं को लेकर तेजस्वी से मुलाकात की। जबकि सियासी हल्के में यह चर्चा है कि राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा अपनी लोकसभा चुनाव 2024 की हार से भाजपा से भीतर ही भीतर चिढ़े हुए हैं और अपने नेताओं को तेजस्वी यादव के पीछे लगा दिया है, ताकि समय आने पर अपने साथ हुए सियासी छल का बदला ले सकें। आपको पता होगा कि जब–जब भाजपा नीतीश कुमार के करीब जाती है तो लाचारी वश उसे उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी से दूरी बनानी पड़ती है। वहीं, लोजपा नेता चिराग पासवान की पूछ भी घट जाती है। हालांकि, दलित नेता होने के चलते चिराग को उपेंद्र से ज्यादा तवज्जो मिलती है। नीतीश कुमार के ही चक्कर में कभी भाजपा जॉइन किये आरसीपी सिंह भी आज सियासी नेपथ्य में चले गए हैं। वहीं, बिहार की राजनीति के चाणक्य समझे जाने वाले नीतीश कुमार ने बिहार के अधिकांश रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए जिस तरह से अपनी सूबाई बादशाहत बनाए हुए हैं, उसे भी यदि सम्राट चौधरी निकट भविष्य में विनम्रता पूर्वक तोड़ दें तो किसी को हैरत नहीं होगी। क्योंकि भले ही वह आरएसएस बैकग्राउंड से नहीं हैं, लेकिन संघ और भाजपा की एक–एक राजनीतिक कड़ी को बखुबी जोड़ते जा रहे हैं, ताकि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार जल्द ही बिहार में बन सके। उनके इस उद्देश्य की पूर्ति में केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय और भूपेंद्र यादव का सक्रिय सहयोग भी उन्हें मिल रहा है, ऐसा पार्टी सूत्र बताते हैं।

सम्पादकीय

नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त

भारतीय रेल और पीएम गतिशक्ति–नेशनल मास्टर प्लान (पीएमजीएस–एनएमपी) के बीच साझेदारी भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में मांग के अनुरूप परिवर्तनकारी (गेमचेंजर) भूमिका निभा रही है।इस एकीकृत दृष्टिकोण ने बुनियादी ढांचे से जुड़े मंत्रालयों और रेलवे जोन के बीच समन्वय को उल्लेखनीय तरीके से बेहतर बनाया है, जिससे परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने में तेजी आई है। इस पहल ने परियोजनाओं के सर्वेक्षण को मंजूरी देने में आम तौर पर लगने वाले 4–5 महीनों के समय को घटा कर सात दिन कर दिया है। इससे पूरे रेलवे नेटवर्क की दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 2022–23 के दौरान कुल 458 परियोजनाओं के सर्वेक्षणों को मंजूरी दी गई जबकि पहले यह संख्या लगभग 50 थी। जहां रेलवे ने ऐतिहासिक रूप से अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ समन्वय किया है, वहीं पीएमजीएस के माध्यम से उन्नत डिजिटल प्लेटफार्मो एवं वास्तविक समय में निगरानी का लाभ उठाते हुए परिवहन के विभिन्न साधनों के एकीकरण ने देश के बुनियादी ढांचे के इकोसिस्टम में क्रांति ला दी है।

पीएमजीएस का सबसे व्यापक प्रभाव विभागीय अवरोधों को तोडना है। परंपरागत रूप से सात अलग–अलग विभाग रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। परिणामस्वरूप अनावश्यक देरी और अक्षमताएं पैदा होती हैं। अंतरविभागीय संवाद को बढ़ावा देने और डिजिटल प्लेटफार्मो का लाभ उठाने से परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान करने में तेजी आई है और नौकरशाही से जुड़ी अनावश्यक बाधाएं समाप्त हो गई हैं।

पीएमजीएस के कार्यान्वयन से योजना निर्माण में काफी सुधार आया है। गतिशक्ति के आने से पहले जहां प्रत्येक वर्ष 6–7 परियोजनाएं ही स्वीकृत होती थीं, वहीं वित्तीय वर्ष 2023–24 के दौरान 73 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इस एक वित्तीय वर्ष में सर्वाधिक रिकॉर्ड हैं। कुल 5,309 किमी. नई लाइन, दोहरीकरण और गेज परिवर्तन की परियोजनाओं के पूरा होने के साथ परियोजनाओं के अंतिम रूप से कार्यान्वित होने का रिकॉर्ड भी काफी ऊपर पर पहुंच गया। रेल विद्युतीकरण 7,188 रूट किमी. (आरकेएम) के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है और ट्रैक कमीशनिंग की गति 4 किमी. प्रति दिन से बढकर 15 किमी. प्रति दिन हो गई है। प्रभावी रूप से पीएमजीएस–एनएमपी कहां, क्या और कब की विस्तृत मैपिंग के माध्यम से बुनियादी ढांचे की भविष्योन्मुखी योजनाएं बना रहा है। इसमें सामाजिक–आर्थिक बुनियादी ढांचे, ट्रंक एवं उपयोगिता नेटवर्क, मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी, पर्यटन स्थल, भूमि राजस्व मानचित्र और वन सीमाओं से जुड़े सटीक एवं व्यापक आंकड़ों का समावेश है। ये जानकारियां परियोजनाओं के योजना निर्माण और कार्यान्वयन की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।सभी परियोजनाओं की जांच (एनपीजी) नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप द्वारा की जाती है, जिसमें अतिरेक और निर्माण के बाद केबलध्पाइप बिछाने के लिए नई बनी सडकों को तोडने जैसी स्थितियों से बचते हुए समन्वित योजना निर्माण हेतु बुनियादी ढांचे से संबंधित सभी मंत्रालय शामिल हैं। उदाहरण के लिए हाउसिंग सोसाईटियां अब निवासियों के आने से पहले सीवेज, बिजली तथा अन्य सुविधाओं से लैस होंगी और कार्रवाई के लिए शिकायतों के आने का इंतजार नहीं किया जाएगा। मांगों के बढने से पहले ही विस्तारित हो रहे उपनगरों के पास स्थित गोदामों को समय पर सडक कनेक्टिविटी मिलेगी और विस्तार के दौर से गुजर रहे बंदरगाहों को पर्याप्त रेलवे निकासी और मल्टीमॉडल लिंक का लाभ मिलेगा।योजना निर्माण की इस कुशल क्षमता को भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस एप्लिकेशन एंड जियो–इंफॉर्मेटिक्स (बीआईएसएजी–एन) द्वारा समर्थित किया गया है, जिसने पीएमजीएस–एनएमपी को विकसित करने में महती भूमिका निभाई है।

अजित को रामभक्तों के साथ का प्रसाद

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली भाजपा का साथ देने का प्रसाद एनसीपी नेता अजित पवार को बहुत जल्दी मिल गया। महाराष्ट्र में इस बार भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति सरकार के गठन में अजित पवार की बहुत बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने खुलकर देवेन्द्र फडणवीस का समर्थन किया था और पांच दिसम्बर को उपमुख्यमंत्री की शपथ लेने के दूसरे ही दिन बेनामी सम्पत्ति ट्रिब्यूनल से बहुत बड़ी राहत मिली है। बेनामी संपत्ति मामले में 2021 में जब्त की गयी अजित पवार की सम्पत्तियों को मुक्त कर दिया गया है। न्यायाधिकरण ने अजित और उनके परिवार के खिलाफ बेनामी संपत्ति के स्वामित्व के आरोपों को खारिज कर दिया। ध्यान रहे 7 अक्टूबर 2021 को अजित पवार के 70 से ज्यादा ठिकानों पर आयकर विभाग ने छापा मारा था। छापेमारी में एक हजार करोड़ रुपये की सम्पत्ति बरामद भी की गयी थी। इसका कोई हिसाब–किताब अजित पवार नहीं दे पाये थे। इसकी सुनवाई अपीलीय न्यायाधिकरण में हो रही थी।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार की सीज संपत्तियां इनकम टैक्स से मुक्त कर दी गई हैं। दिल्ली की बेनामी ट्रिब्यूनल का ऑर्डर आया है। अजित पवार बेटे पार्थ पवार और पत्नी सुमित्रा पवार की संपत्ति इनकम टैक्स ने सीज की थी। इस मामले में फैसला आना अजित पवार और उनकी फैमिली के लिए काफी राहतभरा माना जा रहा है।

महाराष्ट्र में महायुति सरकार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के एक दिन बाद एनसीपी प्रमुख अजित पवार को बेनामी संपत्ति से जुड़े एक मामले में बड़ी राहत मिली। दिल्ली की बेनामी संपत्ति ट्रिब्यूनल ने आयकर विभाग द्वारा सीज उनकी संपत्ति मुक्त करने का आदेश दिया। साल 2021 में आयकर विभाग ने बेनामी संपत्ति के मामले में अजित पवार, उनके बेटे पार्थ पवार और पत्नी सुमित्रा पवार की संपत्ति सीज की थी। आयकर विभाग ने 7 अक्टूबर 2021 को विभिन्न कंपनियों पर छापेमारी के दौरान कुछ कागजात बरामद किए थे। उसका दावा था कि ये कागजात अजित परिवार और उनके परिवार की बेनामी संपत्तियों के थे। बेनामी रोकथाम अपीलीय न्यायाधीकरण ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। इसके बाद आयकर विभाग ने न्यायाधीकरण के फैसले के खिलाफ अपील की थी जिसे न्यायाधिकरण ने खारिज कर दिया। महाराष्ट्र में एक बार फिर भाजपा के नेतृत्व में महायुति की सरकार बनी है। भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली जबकि उनके साथ अजित पवार और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। एनसीपी प्रमुख अजित पवार पिछले साल अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत करके भाजपा–शिवसेना के साथ सरकार में शामिल हो गए थे।महाराष्ट्र में नई सरकार का गठन हो गया है। भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। नई सरकार में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख अजित पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। अजित पवार महाराष्ट्र में रिकॉर्ड छठी बार उपमुख्यमंत्री बने हैं।अजित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शपा) के अध्यक्ष शरद पवार के भतीजे हैं। वह पिछले साल जब अपने चाचा शरद पवार से अलग होकर भाजपा–शिवसेना सरकार में शामिल हो गए थे, तब भी उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद मिला था। अब एक बार फिर से अजित उपमुख्यमंत्री बने हैं।

शरद पवार के करीबी बताते हैं कि उनके पूर्वज महाराष्ट्र के सातारा जिले के रहने वाले थे। 18वीं सदी के दौरान सातारा में भयानक सूखे का कहर पड़ा। लोग एक–एक बूंद पानी के लिए मोहताज हो गए। तब बड़ी संख्या में लोगों ने सातारा से पलायन कर दिया। इन्हीं में शरद पवार के पूर्वज भी थे। पवार के पूर्वज सातारा से पलायन करके बारामती के काटेवाडी पहुंचे और यहीं बस गए। कहा जाता है कि पवार के पूर्वज सातारा के भोंसले (छत्रपति शिवाजी के वंशज) के सैनिकों के रूप में काम करते थे। जब बारामती के काटेवाडी पहुंचे तो यहां उन्होंने खेती शुरू की और बंजर जमीनों को उपजाऊ बना दिया। पवार के पूर्वजों ने गन्ने की खेती में खूब मेहनत की और जबरदस्त उत्पादन करने लगे।

अजित इस वक्त महाराष्ट्र विधानसभा में एनसीपी के नेता हैं। अजित पिछली महायुति समेत कई सरकारों में डिप्टी सीएम रह चुके हैं। उनकी शादी सुनेत्रा पवार से हुई जो महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और दबंग छवि वाले पद्मसिंह बाजीराव पाटिल की बहन हैं। सुनेत्रा ने इसी साल अपनी ननद और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने सुनेत्रा को महाराष्ट्र से राज्यसभा सांसद बनाया। अजित और सुनेत्रा के दो बच्चे हैं। पार्थ और जय। पार्थ 2019 में महाराष्ट्र के मवाला से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। रिपोर्ट के अनुसार, पार्थ पवार तब सुर्खियों में आए जब उन्होंने तत्कालीन महाविकास अघाड़ी सरकार के रुख के विपरीत, तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख को पत्र लिखकर सुशांत सिंह राजपूत की मौत की सीबीआई जांच का अनुरोध किया था। अजित के छोटे बेटे का नाम जय पवार है, जो फिलहाल राजनीति में नहीं हैं। जय उद्यमिता के क्षेत्र में अपना करियर बना रहे हैं। अजित के बड़े भाई श्रीनिवास एग्रीकल्चर और ऑटोमोबाइल क्षेत्र में कारोबार कर रहे हैं। बहन विजया पाटिल मीडिया

के क्षेत्र में काम कर रहीं हैं। महाराृष्ट के डिप्टी सीएम अजित पवार बारामती सीट से चुनाव लड़े। अजित पवार ने 28 अक्टूबर को नामाकंन दाखिल किया, जिससे उनकी संपत्ति को लेकर जानकारी सामने आई। अजित पवार की ओर से चुनाव आयोग में दाखिल हलफनामे के मुताबिक उनके पास कुल 7 लाख 20 हजार रुपये नकद हैं। उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार के पास 6 लाख 65 हजार 400 रुपये नकद हैं। अजित पवार के पास बैंक में 3 करोड़ 9 लाख 69 हजार 53 रुपये जमा हैं, जबकि उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार के बैंक खाते में कुल 3 करोड़ 69 लाख 92 हजार 91 रुपये जमा हैं। अजित पवार के पास 24 लाख 79 हजार 760 रुपये के बॉन्ड है तो सुनेत्रा पवार के पास 14 लाख 99 हजार 610 रुपये के बॉन्ड है। अजित पवार ने पोस्ट ऑफिस में बचत और बीमा के तौर पर 10 करोड़ 79 लाख 2155 रुपये का निवेश किया है, जबकि सुनेत्रा पवार ने 44 लाख 29 हजार 463 रुपये का निवेश किया है। अजित पवार के पास विभिन्न कंपनियों के 8 करोड़ 50 लाख शेयर हैं। वाहनों की बात करें तो अजित पवार के पास 3 ट्रेलर, टोयोटा कैमरी, होंडा सीआरवी और ट्रैक्टर हैं वहीं सुनेत्रा पवार के पास ट्रैक्टर और दो ट्रेलर हैं। अजित पवार के पास 41.50 किलोग्राम चांदी है।

चुनाव से पहले तेजस्वी का बड़ा दांव

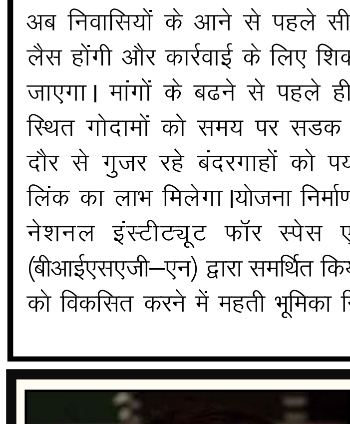

बिहार में अगले साल अर्थात् 2025 में विधानसभा के चुनाव होने हैं। हालांकि उससे पहले दिल्ली में विधानसभा के चुनाव होंगे लेकिन बिहार के चुनाव की चर्चा अभी से होने लगी है। इसका प्रमुख कारण है महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव। महाराष्ट्र में शिवसेना छोड़कर आये एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार चल रही थी। उस समय भी भाजपा के पास 105 विधायक थे और शिंदे के साथ सिर्फ 40 विधायक थे। एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने थे। इस बार जब विधानसभा चुनाव हुए तब भी शिंदे ही मुख्यमंत्री थे लेकिन नतीजे घोषित होने के बाद भाजपा ने अपना मुख्यमंत्री बनाया। बिहार में भी ऐसे ही हालात सामने आ सकते हैं। वहां भाजपा के ज्यादा विधायक हैं लेकिन जद(यू) नेता नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। अगले चुनाव में भी इसी तरह के समीकरण रहने की संभावना है। हालांकि विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के घटक राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का यहां वर्चस्व है। कांग्रेस उसके पीछे खड़ी होगी। राजद के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अभी से चुनाव की जोरदार तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने गत 4 दिसम्बर को घोषणा की है कि अगर राज्य में महागठबंधन की सरकार बनती है तो प्रदेश के लोगों को 200 यूनिट बिजली मुफ्त दी जाएगी। इस तरह के और भी लुभावने वादे किये गये हैं। उधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी चुनाव की तैयारी में कमर कस ली है। उन्होंने एनडीए की बैठक बुलाकर 225 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। राज्य में हुए उपचुनाव में एनडीए की ही जीत हुई।

बिहार विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले राष्ट्रीय जनता दल यानी कि राजद के नेता तेजस्वी यादव ने एक बड़ा दांव चल दिया है। तेजस्वी ने वादा किया कि अगर विधानसभा चुनाव में 'महागठबंधन' की सरकार बनती है तो सूबे के लोगों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने मुंगेर में यह भी कहा कि राजद अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जनता के साथ शेयर किया जाने वाला एक 'रोडमैप' तैयार कर रहा है। अब देखना यह है कि क्या बीजेपी और जेडीयू तेजस्वी यादव के इस ऐलान का काट निकाल पाती हैं। तेजस्वी यादव ने कहा, 'राज्य के लोग काफी ज्यादा बिजली दरों और 'स्मार्ट प्रीपेड मीटर' द्वारा अनियमित बिजली बिल से जूझ रहे हैं। हम बिलों को सही करने और 200 यूनिट फ्री बिजली प्रदान कर लोगों को राहत पहुंचाने का इरादा रखते हैं। हम सत्ता में आने पर ऐसा जरूर करेंगे लेकिन तब तक हम इसके लिए नीतीश कुमार सरकार पर दबाव बनाएंगे।' विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब वह नहीं रहे जो वे थे। उन्होंने कहा कि नीतीश एक ऐसे गठबंधन के मुखौटे बनकर रह गए हैं, जो राज्य में सत्ता संभाल रहा है।

तेजस्वी यादव ने जद(यू) सुप्रीमो नीतीश कुमार पर केंद्र में एनडीए सरकार का अभिन्न अंग होने के बावजूद बिहार को विशेष दर्जा दिलाने और वंचित जातियों के लिए बढ़ा हुआ कोटा प्रदान करने वाले कानूनों की रक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने सीएम द्वारा जल्द ही निकाली जाने वाली महिला संवाद यात्रा पर टिप्पणी करते हुए इसे जनता के पैसे की बर्बादी कहा और आरोप लगाया कि नौकरशाही को लूट में लिप्त होने की खुली छूट दी गई है। बता दें कि इस यात्रा के लिए 250 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। बिहार में 2025 में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और तेजस्वी की पार्टी सत्ता में आने की उम्मीद संजोए बैठी है।

इस चुनाव की अहमियत को देखते हुए राजद नेता तेजस्वी यादव पहले से ही सभाएं कर रहे हैं। दूसरी ओर अब सीएम नीतीश कुमार ने भी कमर कस ली है और चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। सीएम नीतीश ने एनडीए की बैठक बुलाई जिसमें भाजपा, लोजपा (रामविलास) समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने भाग लिया। इस बैठक में साल 2025 के विधानसभा चुनाव में 225 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा गया। बैठक में ये भी तय किया गया है कि एनडीए के सभी घटक दलों के बीच बेहतर समन्वय के लिए जिला स्तर पर भी बैठकें भी होंगी।

एक अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री के आवास पर हुई बैठक में सीएम नीतीश कुमार ने एनडीए के सभी घटक दलों को एकजुट रहने को कहा। सीएम नीतीश ने साल 2010 में हुए विधानसभा चुनाव जैसी जीत फिर दोहराने की बात कही है। उन्होंने सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने को कहा है। बिहार में विधानसभा चुनाव में अभी वक्त है। अभी ही बैठक बुलाए जाने पर नेताओं ने कहा कि इस बैठक से कार्यकर्ताओं के बीच सकारात्मक संदेश जाएगा और वे चुनावी लड़ाई के लिए खुद को तैयार कर पाएंगे। नेताओं ने कहा कि इसके लिए घटक दलों के बीच सही तालमेल जरूरी है और आज की बैठक इसी उद्देश्य से बुलाई गई है।

विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी भी बिहार की सियासत का एक प्रमुख चेहरा बन चुके हैं। कभी एनडीए का घटक दल रही उनकी पार्टी आजकल राष्ट्रीय जनता दल के साथ गठबंधन में है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से सियासी गलियारों में ऐसी अटकलें लगने लगी हैं कि सहनी की पार्टी एक बार फिर एनडीए में शामिल हो सकती है। हालांकि सहनी ने बातचीत के दौरान 'जन सुराज' के सूत्रधार प्रशांत किशोर की भी खुलकर तारीफ की एनडीए में शामिल होने की अटकलों पर मुकेश सहनी ने कहा, 'पहले निषाद आरक्षण मिले। प्राण भी मांगेंगे तो दे देंगे। रही बात राजनीतिक फैसले की तो फिर हमारी पार्टी मिलकर इस पर डिसीजन लेगी। पार्टी का फैसला हम अकेले नहीं ले सकते।' मुकेश सहनी ने प्रशांत किशोर की जमकर तारीफ की और कहा, 'प्रशांत किशोर जो बात कर रहे हैं, बिहार की भलाई के लिए बात कर रहे हैं, लोग उनको सुन भी रहे हैं। वह अगर अच्छे तरीके से जमीन पर उतरेंगे तो बिहार का भला होगा।

सहनी ने कहा, '2014, 2015 और 2020 में हमने बीजेपी के साथ काम किया। देश के प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने हमेशा निषाद आरक्षण का वादा किया तो हमने जो काम किया उसकी मजदूरी के तौर हमें आरक्षण चाहिए। देश का पीएम होने के नाते उनका धर्म और कर्तव्य है कि देश में जो समस्या है उसे दूर करें। अगर बंगाल और दिल्ली में निषाद को आरक्षण है तो बिहार में भी मिलना चाहिए। प्रधानमंत्री का यह धर्म और कर्तव्य है। पहले वह निषाद आरक्षण करें, उसके बदले में व्यक्तिगत हमसे प्राण मांगेंगे तो हम प्राण दे देंगे भाजपा को।' तेजस्वी को उपचुनावों के नतीजे से धक्का लगा है। तरारी, बेलागंज, रामगढ़, इमामगंज में उम्मीदवारों की नहीं बल्कि उनके सरपरस्तों का इम्तिहान था। वोट की गिनती के बीच उम्मीदवार से ज्यादा उनके अपने बेचैन थे। वजह भी थी, बात अगर रामगढ़ की करें तो यहां राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बेटे अजीत सिंह मैदान में थे।

अयोध्या फिल्म फेस्टिवल : हालीवुड के सितारों ने अवध में बांधा समां

-फ्रांस, इटली और स्विटजरलैंड के कलाकार निर्देशकों ने तलाशी अयोध्या में संभावनाएं
-368 फिल्मों में से चुनिंदा फिल्मों का प्रदर्शन, दर्शकों ने देश दुनिया के सिनेमा को करीब से देखा

अयोध्या(एजेंसी)। देश दुनिया के फिल्मी जगत के सितारों ने 'अयोध्या फिल्म फेस्टिवल' के 18 वें संस्करण में अवध की शाम में मानो चार चांद लगाए तो दर्शकों ने भी फिल्म के पीछे की मेहनत को करीब से समझा। फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन गुरुनानक अकादमी इंटर कालेज सभागार में तीन सत्र के आयोजन में दर्शकों ने देश दुनिया से आए कलाकार और निर्देशकों से साक्षात्कार किया और फिल्मों के पीछे की दुनिया से भी अवगत हुए। प्रथम सत्र में फिल्म वर्कशॉप के दौरान फिल्म मेकिंग सत्र में फिल्मों के बेसिक्स, निर्माण आदि के बारे में विशेषज्ञों ने मंच से दर्शकों को अवगत कराया।

स्विटजरलैंड के फिल्म निर्माता निर्देशक और अभिनेता उवे श्वार्जवेल्डर ने विदेश में फिल्म निर्माण की बारीकियों को सिखाया। पेरिस के निर्देशक जेरेमी ब्रुनेल और इटली के आंद्रिया फोर्टिस और डा. मोहन दास ने भी फिल्म निर्माण और चुनौतियों और तकनीकी पक्ष पर सत्र के दौरान चर्चा की। दूसरे सत्र में पुस्तक परिचर्चा रही जिसमें सूर्य प्रताप राय रेपल्ली की काव्य संग्रह 'झील सी आंखों में का विमोचन हुआ तो वहीं अभिषेक शर्मा की कहानी संग्रह 'इश्क के अस्सी घाट' पर काशी की कहानियों ने चर्चा बटोरी। इस सत्र में लेखकों से संवाद के जरिए साहित्य और सिनेमा के संबंधों की रूपरेखा को स्पष्ट किया गया। वहीं कबीर मंडली ने सांस्कृतिक कार्यक्रम कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। तीसरे सत्र में फिल्मों का सिलसिलेवार प्रदर्शन और फिल्म मेकर्स से बातचीत का रहा। इस दौरान बेटर टुमारो, माई नेशनल फ्लैग, द स्प्रिचुअलाइजेशन ऑफ जेफ बॉयड, थर्सडे स्पेशल, मझधार, ब्रॉन्जड, एमेच्योर, खड्डा, द लाइम ग्रीन शर्ट, बाहुबली रू क्राउन ऑफ ब्लड, लोटस, डिलीवरी ब्वॉय आदि फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। आयोजन के तीसरे दिन सुबह दस बजे से कायाः द मिशन ऑफ लाइफ, फ्रेंड बुक, श्री मुंबई ना समाचार रू 200 नॉट आउट, बयाकेगालू बेरूरीडागा, अमर आज मरेगा, मैया, अर्मेटेलियो, कोर्डेवेरो 22 एमएनडी रू माइंड नेवर डाइज, इनसाइड फोरबिडेन वॉल्सदृएंपरर डाओगुआंग, डेट नाइट आदि फिल्मों का प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही फिल्मों के लिए अवार्ड सेरेमनी के आयोजन के साथ अगले साल फिर फिल्मों का मेला सजाने के वादे के साथ विराम पाएगा।उवे श्वार्जवेल्डर का अयोध्या के बाद जयपुर होते हुए ढाका जाने का प्रोग्राम था मगर वहां के हालात से चिंतित हैं। वहां जाकर फिल्मों की संभावनाओं पर काम करना था मगर हालात में सुधार नहीं हुआ तो दौरा रद करने पर भी विचार कर रहे हैं। टीवी सीरीज डिस्कवरी ऑफ इंडिया, इंतजार, फिल्म स्कैंडल के बाद कई नई वेब सीरीज से जुड़े संजीव वीरमानी ने बताया कि फिल्म फेस्टिवल के मंच पर आना काफी सुखद रहा है। 18 साल पुराने आयोजन के माध्यम से सीधे दर्शकों से जुड़ाव एक बेहतर मंच देता है। सरकारी सहयोग मिले तो आयोजन का फलक और भी बड़ा हो सकता है। साधन सरकारी हो जाए तो उपलब्धि बड़ी हो सकती है। अयोध्या अपने आप में बड़ा शहर है। यह ऐसा इवेंट होगा कि दर्शक पर्यटक सब इसे अटेंड करे। शहर के लिए चार चांद लगाने वाली बात होगी। अयोध्या में संभावनाएं और फ्लेवर दोनो हैं। बडी बात है कि यहां प्रदूषण नहीं है। लोगों में मिठास है। बाहर के लोगों को अपनाते हैं। ए लाइफ इन टेंडम' डॉक्यूमेंट्री फिल्म देव मुखर्जी की है। फिल्म पंजाब से लेकर विदेशों तक के कोरोना काल के दौरान के हालातों में कैंसर जैसे विषयों को लेकर पड़ताल करती है। लंदन से बीजिंग तक साइकिल से कैंसर अवेयरनेस पर बनी फिल्म भी प्रदर्शित हुई। कोरोना के समय फिल्म बनाने के दौरान अपने विदेशी मित्र लंदन के ग्रेन फिलशॉप के साथ होने और जगह जगह कोरोना जांच की दुशारियों से भी वह गुजरे थे। अमृतसर से वाराणसी तक साइकिल यात्रा और चीन से जर्मनी की शूटिंग के बाद फिल्म बेहतर बनी और दर्शकों के समक्ष इस मंच से साझा हुई। ज्यूरिक, स्विटजरलैंड के उवे श्वार्जवेल्डर ने कहा कि अयोध्या एक जीवंत शहर है। यह फिल्मी दुनिया से अछूता रहा है तो यहां की छिपी परिस्थितियां सिनेमा का हिस्सा हो सकती हैं। मुझे फिल्म मेकिंग की संभावनाओं के हालात काफी बेहतर लग रहे हैं। लोगों का सहयोग, लोकेशन, नदी, मंदिर रेत, सुविधाएं सब कुछ हैं। मैं निजी तौर पर यहां फिर आना चाहूंगा। हॉलीवुड की नजरें भी अयोध्या पर इस आयोजन के माध्यम से पड़ी हैं तो आने वाला कल इस शहर का काफी शानदार होना तय है। इटली के निर्माता निर्देशक, आंद्रिया फोर्टिस ने कहा कि अयोध्या आया तो राम बारात में भी शामिल होने का मौका मिला। धार्मिकता और आध्यात्मिकता के बीच आधुनिकता का यह मेल इस शहर को अनोखा बनाता है। सपनीली दुनिया से यह अछूता रहा है तो निश्चित ही भविष्य में यहां पर फिल्मों की शूटिंग और फिल्मी दुनिया के यहां के लोकेशन से जुड़ाव भी होना तय है।

बंगाली तांत्रिक के नाम से मशहूर सूरज चौधरी लड़ेंगे मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव

-बसपा छोड़कर सपा में शामिल हुए सूरज चौधरी ने सपा से भी दिया इस्तीफा

अयोध्या(एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या के शिवनगर कालोनी में कभी बंगाली तांत्रिक के नाम से मशहूर रहने वाले सूरज चौधरी अब मिल्कीपुर विधान सभा का उप चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं। सूरज चौधरी पहले भी बहुजन समाज पार्टी से विधासभा चुनाव की दावेदारी कर चुके हैं हालांकि बाद में उन्होंने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया था और अवधेश प्रसाद के साथ विधान सभा और उसके बाद लोकसभा चुनाव में साथ रहे। हालांकि अब जब अवधेश प्रसाद सांसद निवार्चित हो गये तो उन्होंने अपने बेटे अजीत प्रसाद को टिकट दिला दिया। इससे नाराज सूरज चौधरी ने रविवार को समाजवादी पार्टी से इस्तीफे की घोषणा कर दी है।

प्रेसकांफ्रेन्स में सूरज चौधरी ने खुद बताया है कि समर्थकों समेत वह भीम आर्मी प्रमुख चन्द्रशेखर आजाद रावण की पार्टी आजाद समाज पार्टी के सम्पर्क में हैं और उसी से मिल्कीपुर विधान सभा का उपचुनाव लड़ना चाह रहे हैं। सूरज चौधरी का दावा है कि फिलहाल मिल्कीपुर उपचुनाव में सपा प्रत्याशी अजीत को हराने में भूमिका निभाएंगे। सूरज बताते हैं कि उन्हें चुनाव लड़ने के लिए बसपा ने टिकट दिया था जो पैसे के चलते बाद में टिकट कट गया था। जिसके बाद मैने सपा में रहकर अवधेश प्रसाद का साथ देकर उन्हें जीत दिलाई थी। कहा कि मिल्कीपुर उप चुनाव में सपा को हराने में मेरी अहम भूमिका रहेगी। प्रेस कांफ्रेन्स में वादाखिलाफी का सासंद अवधेश प्रसाद पर आरोप लगाते हुए सपा पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सूरज चौधरी ने कहा कि सपा प्रत्याशी का मिल्कीपुर में कोई वजूद नहीं है। कहा कि अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद खुद की जीत बताते और कार्यकर्ताओं की आलोचना कर रहे। बताया जा रहा कि वर्ष 2022 में हुए मिल्कीपुर विधान सभा से चुनाव में जीत के पीछे सूरज चौधरी ने अहम भूमिका निभाई थी और उसी समय अवधेश प्रसाद ने सूरज को आगे होने वाले मिल्कीपुर उप चुनाव में सपा से चुनाव लड़ाने का वादा किया था। जबकि सांसदी जीतने के बाद वह अपने वादे से मुकर गए और अपने पुत्र अजीत प्रसाद को टिकट दिलाकर परिवारवाद की राजनीति किया है। जिससे हमें और साथी कार्यकर्ताओं को नाराज कर दिया।

चांदपुर हरवंश में जिले के दूसरे केन्द्रीय विद्यालय का होगा निर्माण

-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय कैबिनेट ने प्रदान की मंजूरी
-पिछले कुछ वर्षो से इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे थे पूर्व सांसद लल्लू सिंह

अयोध्या।(एजेंसी) शिक्षा के क्षेत्र में रामनगरी को बड़ी सौगात मिली है। चांदपुर हरवंश में जिले के दूसरे केन्द्रीय विद्यालय का निर्माण किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय कैबिनेट ने इसको मंजूरी प्रदान की है। पूर्व सांसद लल्लू सिंह पिछले कुछ वर्षो से इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे थे। सांसद के कार्यकाल के दौरान कई पत्राचार करने के साथ विभागीय मंत्रियों के समक्ष यहां केन्द्रीय विद्यालय निर्माण की मांग उन्होंने रखी थी। सांसद न रहने के बाद भी लल्लू सिंह द्वारा लगातार वार्ता व चर्चा किए जाने के बाद केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धमेन्द्र प्रधान ने इसको अपनी संस्तुति प्रदान किया। पूर्व सांसद के प्रयासों का परिणाम है कि एक जिले में अब दो केन्द्रीय विद्यालय का संचालन होगा। इससे जिले विद्यार्थियों को उच्च स्तर की शिक्षा ग्रहण करने का अवसर मिलेगा। मध्यम वर्ग व निम्न वर्ग से जुड़े छात्रों के लिए यह एक सुनहरा अवसर होगा। पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने बताया कि रामनगरी अयोध्या ने वैश्विक स्तर पर मर्यादा व अनुशासन की शिक्षा को प्रसारित किया है। आध्यात्मिक नगरी अयोध्या अब अपने विकसित स्वरुप को लेकर पूरे विश्व में चर्चा का विषय बन गयी है। चिकित्सीय सुविधाओं के विकास व बेहतर शैक्षिक परिवेश का निर्माण रामनगरी में किया जा रहा है। राजर्षि दशरथ मेडिकल कालेज में कई जिलों के मरीजों को अच्छे इलाज की सुविधा मिल रही है। शिक्षा के क्षेत्र में सरकार ने कई सुधार किए है। जिनका जमीनी असर दिखाई पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि दूसरे केन्द्रीय विद्यालय का निर्माण हो जाने से उच्च कोटि के शिक्षको का सानिध्य यहां के विद्यार्थियों को मिलेगा। दो केन्द्रीय विद्यालय होने के बाद अध्ययन करने का लाभ पहले से ज्यादा छात्रों को मिलेगा। शिक्षा व चिकित्सा जनता के लिए सबसे अधिक आवश्यकता वाली सुविधाएं है। लोकसभा क्षेत्र में इन सुविधाओं को उच्चतम स्तर का बनाने के लिए प्रयास की गति को कभी धीमें नहीं पड़ने दिया जाएगा। इसको लेकर जनता की हर अपेक्षा को पूरा किया जाएगा।

सड़क हादसे में सीआरपीएफ जवान की गई जान, परिवार में मचा कोहराम

मीरजापुर(एजेंसी)। जिले में एक सड़क हादसे में सीआरपीएफ जवान की दु:खद मौत हो गई है. हादसे की खबर मिलते ही जवान के परिजनों में कोहराम मच गया है. दुर्घटना देर रात की मिर्जापुर–रीवा (मध्य प्रदेश) नेशनल हाईवे पर होनी बताईं जा रही है. जानकारी के मुताबिक मिर्जापुर जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के मिलेट्री कम्पाउन्ड के सामने मिर्जापुर–रीवा नेशनल हाईवे पर शनिवार की देर रात सड़क दुर्घटना में सीआरपीएफ में कार्यरत बुलेट सवार सोनभद्र जिले के परासी गांव निवासी ज्ञानचंद द्विवेदी के 38 वर्षीय पुत्र सर्वेस प्रसाद द्विवेदी गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की पुलिस मौके पर पहुंचकर घायल सीआरपीएफ जवान को उपचार के लिए एंबुलेंस से मंडलीय अस्पताल स्थित ट्रामा सेंटर भिजवाया. जहां पर उपचार के दौरान घायल जवान की मौत हो गई. अस्पताल के मेमो पर लहंगपुर चौकी प्रभारी विजय कुमार राय ने रविवार को सुबह मौके पर पहुंचकर अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. इस संबंध में चौकी प्रभारी विजय कुमार राय ने बताया कि लालगंज से मिर्जापुर जाते समय बुलेट सवार सीआरपीएफ जवान सर्वेस प्रसाद द्विवेदी अज्ञात वाहन के टक्कर से डिवाइडर से टकराकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे. सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर उनके परिजनों को सूचित कर गंभीर रूप से घायल जवान को अस्पताल भिजवाया गया. जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई. परिजनों ने बताया कि मृतक सीआरपीएफ में मुख्य आरक्षी के पद पर चकिया, चंदौली में नियुक्त थे. मौत की जानकारी मिलते ही परिजनों का रो–रो कर बुराहाल हो उठा है।

छात्राओं के बीच टीबी जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

मीरजापुर(एजेंसी)। जिले के नरायनपुर विकास खंड अन्तर्गत स्थित राम ललित सिंह पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट कैलहट के मौजूद छात्राओं के बीच टीबी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में क्षय विभाग के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर सतीश शंकर यादव द्वारा टीबी के समस्त लक्षणों एवं बचाव को विस्तार पूर्वक बताते हुए कहा गया कि ऐसे रोगियों के लिए सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच एवं इलाज की उच्य कोटी की सुविधा निरूशुल्क प्रदान की जा रही है साथ ही साथ ऐसे क्षय रोगियों के खाते में सरकार द्वारा पोषण योजना के तहत अब एक हजार रुपया प्रति माह दिया जा रहा है जो मरीज को पूरे इलाज अवधि तक दिया जाएगा। छात्राओं से उम्मीद जताई गई की आप सभी अपने आसपास लोगों को इस रोग के प्रति ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने एवं जानकारी में आए लक्षण प्रभावित संदिग्ध मरीजों को सरकारी स्वास्थ्य केंद्र तक भेजने का सराहनीय कार्य अवश्य करेंगे, जिससे कि हमारा भारत देश प्रधानमंत्री के मंसानुसार 2025 तक टीबी मुक्त देश के श्रेणी में होते हुए अपना कीर्तिमान स्थापित कर सके। वही विद्यालय प्रबंधक अनमोल सिंह द्वारा स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा जीवन उपयोगी दी गई जानकारी की सराहना करते हुए कहा कि हम सभी मिलकर इस गंभीर चुनौती रूपी बीमारी के समाप्ति में हर संभव सहयोग और कर्तव्य निभाने के लिए निश्चित रूप से तत्पर रहेंगे।

आयोजित कार्यक्रम में क्षय विभाग के इफ्तिखार अहमद, अखिलेश यादव, मनभावन के साथ–साथ विद्यालय के अध्यापक अध्यापिकाएं भी मौजूद रहे।

सपा की बैठक में कानून व्यवस्था व मंहगाई पर गई जताई चिंता

लालगंज, मीरजापुर(एजेंसी)। छानवे विधानसभा के पार्टी कार्यालय लालगंज में रविवार को जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के निर्देश पर एक बैठक जिला उपाध्यक्ष रामजी मौर्य की मौजूदगी में संपन्न हुआ। बैठक में मुख्य रूप से आगामी पंचायत चुनाव और मतदाता सूची से मृतकों के नाम कटवाने व 18 वर्ष के हो चुके युवाओं का नाम जुड़वाने के बारे में चर्चा की गई। वहीं पर पूर्व सपा प्रत्याशी कीर्ति कोल ने बैठक में मौजूद विधानसभा स्तर के नेताओं, जोनल सेक्टर प्रभारी और सेक्टर प्रभारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दल के कर्मठ, समर्पित, योग्य, जुझारू कार्यकर्ताओं पर पार्टी की निगाह रहेगी। वक्ताओं ने कानून व्यवस्था व महंगाई पर चिंता जताई। वहीं पर विधानसभा महासचिव हरिशंकर यादव ने सभी कार्यकर्ताओं से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के काम में पार्टी के निर्देशानुसार कार्य में जुट जाने के लिए कहां। नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म भरकर मतदाता सूची में शामिल करायें। इस मौके पर जुम्मन खान, जमुना प्रसाद गुप्ता, अमृतलाल यादव, मुकुंद यादव, सुरेंद्र त्रिपाठी, दिलीप शर्मा, सोनू सिंह, अमरेश पटेल, प्रभा शंकर दुबे, गणेश केसरी, विकास, राकेश यादव, संजय मौर्य, अनिल यादव आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्रमण काल से गुजर रही नगर पंचायत खिरौनी सुचित्तागंज

-ठेकेदारों की मनमानी, नाली और सड़क निर्माण में अनियमितता की शिकायत पर शुरु हुई जांच की सुस्त रफ्तार पर भी सभासद उठा रहे सवाल

सोहावल–अयोध्या(एजेंसी) नगर पंचायत खिरौनी सुचित्तागंज अपने संक्रमण कल से गुजर रही है। ई ओ की कुर्सी पर कोई स्थाई पोस्टिंग न होने का फायदा सभी उठा रहे है। ठेकेदारों की दबंगई सिर चढ़कर बोल रही है। इनके द्वारा कराए जा रहे नाली, सड़क पटरी आदि में अनियमितता की शिकायत की जांच पर भी सवाल खड़े किए जा रहे है। सभासदों पर यहां के कथित भ्रष्टाचार में मिली भगत के आरोप लगाए जा रहे है। 15 वार्डो से जुड़े 6 राजस्व गांव की लगभग 22 हजार की आबादी को लेकर गठित की गई इस नव सृजित नगर पंचायत का लगभग आधा कार्यकाल समाप्त होने को है लेकिन विकास और जनता की आकांक्षाओं पर कभी ऐसा नहीं लगा कि खरा उतर रही हो। चेयर मैन रेशमा भारती और आते जाते रहे ई ओ के बीच कभी तालमेल बन ही नहीं पाया। पूर्व में कुछ दिन स्थाई ई ओ रहे सचिन पटेल से तो मारपीट और पुलिस कार्यवाही तक की नौबत आती रही। इनके हटाए जाने के बाद अब तक कोई साथी अधिशाषी अधिकारी आया ही नहीं। आज पूरी नगर पंचायत का काम काज ठेकेदारों की दबंगई पर निर्भर है। वार्ड न0 8 में नहर से कोरी टोला तक एक ठेकेदार ने सी सी रोड बनाना शुरू किया तो सड़क की पटरी में ही निर्माण घटिया लगाना शुरू कर दिया काम कर रहे मजदूर स्वयं मानक विहीन बता मसाला एक 12 का लगाने की बात करने लगे है। सभासद फरीद अहमद ने शिकायत उप–जिलाधिकारी से किया तो जांच नायब रौनाही को सौंपी गई। जिनकी सुस्त रफ्तार जांच पर भी अब सवाल खड़े किए जा रहे है। आरोप है कि इसी ठेकेदार द्वारा ही पहले होल का पुरवा में भी घटिया नाली निर्माण किया गया था। जांच के पहले ही नाली स्वतः गिर गई थी। लेकिन कार्रवाई कोई नहीं हुई। चेयर मैन प्रतिनिधि राम सुमेर भारती ने कहा कि स्थायी ई ओ के न आने से समस्या आ रही है। निर्माण में हो रही जांच में गड़बड़ी मिली तो कड़ी कार्रवाई होगी।

मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर सपा महिला सभा ने बनाई रणनीति

अयोध्या।(एजेंसी) समाजवादी पार्टी कार्यालय गुलाबबाड़ी लोहिया भवन पर समाजवादी महिला सभा की मासिक बैठक की अध्यक्षता महिला सभा के अध्यक्ष सरोज यादव ने किया बैठक का मुख्य मुद्दा मिल्कीपुर उप चुनाव को कैसे क्या किया जाए कि हम सब लोग हर घर पहुंचे और उनकी सुने अपनी बताए। दूसरी बात बूथ लेवल एजेंट बनाने पर विचार हमको हर बूथ पर अपनी महिला टीम को खड़ा करना है।इसके लिए हमको कठिन मेहनत करनी होगी। तीसरी बात मतदाता सूची आ गई है आप सब लोग उसको देख ले अपना नाम अपने आसपास सबके नाम चेक कर ले जिसका नाम कटा हो उसका नाम जुड़वाने का प्रयास किया जाए।कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव डॉ. निषाद अख्तर ने किया। प्रवक्ता विद्यावती जी ने बताया कि जिला अध्यक्ष सरोज यादव ने कहा की हम लोग कमर कले मिलकर उपचुनाव में हम लोगों को मजबूती से क्षेत्र में रहना होगा घर जाकर वोट की अपील करनी होगी। जिनके वोट कटे हैं उनके वोट को बढ़ाने का काम करना होगा और लोगों को इस सरकार की नाकामयाबियों को बताना होगा कि सरकार ने केवल झूठ बोलने का काम किया है कुछ दिया नहीं है चाहे रोजगार के नाम पर हो, शिक्षा हो, सुरक्षा हो, व्यवस्था हो, महंगाई हो, किसी क्षेत्र में कोई काम नहीं हुआ है यह सब जनता जान चुकी है। यह सरकार जुमलो की है।हम लोग अगर उनसे बात करेंगे तो हम लोगों को उनसे पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा हम लोगों को धैर्य से प्रेम से सबके बीच रहना है सबको अपनी बात समझानी है। हम घर–घर जाकर उनसे बात करेंगे उनको समझाएंगे तो निश्चित तौर पर वह समझेंगे और सपोर्ट भी करेंगे । कार्यक्रम में उपाध्यक्ष विमला निषाद,राजकुमारी कोरी, कोषाध्यक्ष पूनम यादव, जिला सचिव यशोमति कोरी, रीता राही, बीकापुर विधानसभा अध्यक्ष रीता निषाद, मिथिलेश रावत, उमा यादव, अंशिका यादव, नीलम कोरी, मंजू, मंजीत यादव, रमेश यादव, कमला, इश्तियाक आदि लोगों उपस्थित रहे।

अयोध्या आइडल आडिशन में 700 से अधिक प्रतिभागियों ने किया प्रतिभाग

अयोध्या(एजेंसी)। अयोध्या महोत्सव 2025 के अयोध्या आइडल आज सहकारी बैंक के सभागार में ऑडिशन का आयोजन किया गया। जिसके द्वारा अयोध्या आइडल के गायन प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता एवं मिस्टर मिस एवं मिसेस कल्चर इंडिया के प्रतिभागियों का चयन किया गया। इस ऑडिशन में जनपद और जनपद के आसपास के 700 से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया , जिसमें 100 प्रतिभागियों का चयन किया जाना है ऑडिशन की प्रक्रिया में निर्णायक मंडल के सदस्यों द्वारा प्रतिभागियों का चयन कर उन्हें फर्स्ट राउंड के लिए अयोध्या महोत्सव में प्रतिभाग का अवसर प्रदान किया जाएगा। अयोध्या महोत्सव की प्रबंध निदेशक एवं अयोध्या आइडल की संयोजक नाहिद कैफ ने बताया कि अयोध्या महोत्सव का आयोजन 25 दिसंबर से प्रारंभ होकर 5 जनवरी तक फॉर ईवर लॉन में चलेगा। ऑडिशन की प्रक्रिया में जनपद के विभिन्न डांसिंग संस्थाओं के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया, इस ऑडिशन में सफल कलाकारों को अयोध्या महोत्सव के मंच पर प्रतिभाग करने का अवसर प्रदान किया जाएगा और कई चरणों से गुजरते हुए अंत में अयोध्या आईडल कैटेगरी में गायन और नृत्य के साथ–साथ मिस्टर,मिस एंड मिसेज कलचर इंडिया विथ किडस रनवे कैटेगरी मॉडलिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों का चयन उत्कृष्ट जजों द्वारा किया जाएगा।

उक्त ऑडिशन की प्रकिया में प्रबंधक आकाश अग्रवाल, महासचिव ऋचा उपाध्याय ,कार्यक्रम प्रभारी आजाद सदक व शिप्रा श्रीवास्तव,संगठन महासचिव अरुण द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय यादव, उपाध्यक्ष रवि चौधरी, गृजेश त्रिपाठी, संयुक्त सचिव बृजेश ओझा, कार्यक्रम सचिव उज्ज्वल चौहान, उपाध्यक्ष मोहित मिश्रा, भूपेंद्र प्रताप सिंह, कोषाध्यक्ष रेगन सिंह चौहान, संगठन सचिव जनार्दन पाण्डेय, प्रचार सचिव गौतम सिंह, प्रभारी सूर्यांश चोपड़ा, पूजा अरोड़ा, अवनीश सिंह सहित अन्य शामिल रहे। न्यास के प्रवक्ता श्री प्रकाश पाठक ने बताया की 12 दिसम्बर कोअयोध्या मैराथन का आयोजन किया जा रहा है जिसमें दो वर्ग होंगे एक फूल मैरथान जो हनुमानगढ़ी सहादतगंज से शुरु होकर साकेत महाविद्यालय पर समाप्त होगी दूसरी हाफ मैराथन जो आँख के अस्पताल रीडगंज पर समाप्त होगी स जिसमे निःशुल्क प्रवेश के साथ नगद पुरस्कार राशि रखी गई है स जिसके संयोजक रेगन सिंह चौधरी को बनाया गया है।

प्राण फाउडेशन की वार्षिक बैठक में नवीन कार्यकारिणी का हुआ गठन

अयोध्या(एजेंसी)। रविवार को प्राण फाउंडेशन के अंतर्गत प्राण स्कॉलरशिप की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सभी पदाधिकारियों को पिछले वर्ष के सफल कार्यान्वयन पर बधाई दी गई। साथ ही, आगामी वर्ष की कार्ययोजना और लक्ष्यों की रूपरेखा तय की गई। बैठक में नए सत्र के लिए निम्नलिखित पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं जिसमें राष्ट्रीय स्तर राष्ट्रीय संयोजक विपिन पांडे, महासचिव, विजय प्रताप सिंह, महासचिव, अंकित प्रभाकर, सचिव (प्रबंधन) संजय अग्रहरि सचिव (परीक्षा विभाग): उमेश वर्मा, सचिव (आवेदन): शिवम साह, प्रांतीय स्तरप्रांत संरक्षक रवि तिवारी, प्रांत संयोजक, हृदय राम, प्रांत महासचिव अभिनव सिंह, महासचिव (संगठन), बसंत कुमार वर्मा, सचिव (प्रबंधन), विवेक वर्मा सचिव (परीक्षा विभाग) मनवेंद्र प्रताप सिंह सचिव (आवेदन) उमा शंकर शुक्ला सचिव (मीडिया) पुष्कर दत्त तिवारी जिला स्तर पर जिला संयोजक शिव बहादुर पाठक जिला महासचिव (संगठन) अनुज सिंह जिला महासचिव (परीक्षा) कपिल देव वर्मा जिला महासचिव (प्रबंधन) अंकुर सिंह जिला सचिव (मीडिया) अनुप दुबे जिला सचिव (संपर्क) रुद्र नारायण पांडे जिला सलाहकार संदीप यादव जिला सचिव (आवेदन) अतर सिंह यादव बताते चले कि प्राण फाउंडेशन शिक्षा, शोध और समाजसेवा के क्षेत्र में कार्यरत एक गैर–लाभकारी संगठन है। इसका उद्देश्य देशभर के आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और छात्रवृत्ति प्रदान करना है। फाउंडेशन न केवल छात्रों की आर्थिक मदद करता है, बल्कि उन्हें शोध और उच्च शिक्षा के क्षेत्र मेंप्रोत्साहित करने के लिए मार्गदर्शन भी देता है। प्राण स्कॉलरशिप के माध्यम से फाउंडेशन ने सैकड़ों छात्रों को उनकी पढ़ाई जारी रखने में सहायता की है। इसके अलावा, फाउंडेशन समाज में शिक्षा का प्रचार–प्रसार और जागरूकता फैलाने के लिए कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का भी आयोजन करता है। बैठक में फाउंडेशन के कार्यों को अधिक प्रभावशाली बनाने और समाज में शिक्षा के प्रचार–प्रसार हेतु नए विचारों पर भी चर्चा की गई। प्राण फाउंडेशन आने वाले समय में छात्रों को और अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

सड़क दुर्घटना में पांच हुए घायल, अलग-अलग अस्पतालों में किए गए रेफर

मीरजापुरध(एजेंसी) जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र के अलग–अलग जगह पर बाइक से बाइक व बाइक और ट्रैक्टर तथा बाइक में डंपर द्वारा धक्का मार देने से पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को राजगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया यहां एक व्यक्ति को इलाज के बाद घर के लिए छोड़ दिया गया है जबकि शेष 4 को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल एवं ट्रामा सेंटर भेज दिया गया। पहली घटना शनिवार की रात्रि पटेल नगर मार्केट में घटी जहां राजगढ़ बाजार के 44 वर्षीय डॉ दुर्गेश सिंह सब्जी खरीदने के लिए मोटरसाइकिल से नदिहार बाजार गए थे। जहां लौटते समय इसी थाना क्षेत्र के रामपुर निवासी झुनकू 38 वर्ष से टक्कर हो गई। जिसमें डॉक्टर दुर्गेश को गंभीर चोट आई, जबकि झुंकू को प्राथमिक इलाज के बाद घर भेज दिया गया। दूसरी घटना इसी थाना क्षेत्र के रविवार के दिन 2 बजे ददरा बाजार में घटी यहां कुड़ी गांव निवासी सुरेंद्र बिन्द 23 वर्ष चुनार थाना क्षेत्र के मरचइया गांव निवासी अपने मौसा रामविलास 35 को लेकर बाइक से अपने घर आ रहा था की ददरा बाजार में बाइक के आगे चल रहे ट्रैक्टर में वह भीड़ गया। जिससे दोनों बाइक सवारों को गंभीर चोट आई, जबकि ट्रैक्टर वाला ट्रैक्टर लेकर भाग गया। काफी देर तक लोग एंबुलेंस का इंतजार करते रहे पुलिस उन्हें आटों में लाद कर राजगढ़ अस्पताल ले जा रही थी काफी देर के बाद एंबुलेंस आई तब जाकर उन दोनों घायलों को राजगढ़ अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज करने के बाद दोनों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। तीसरी घटना ददरा बाजार में ही इसी गांव के निवासी गुड्डू सोनकर 22 वर्ष अपने साथी राज बाबू 15 वर्ष निवासी कुड़ी गांव को लेकर मोटरसाइकिल से राजगढ़ टाल पर लकड़ी लेने जा रहा था की मिर्जापुर की तरफ से आ रही डंपर ने उसे धक्का मार दिया जिससे दोनों मोटरसाइकिल से नीचे गिर गए और घायल हो गए।

भाजपा सोशल मीडिया टीम का किया गया सम्मान

मीरजापुर(एजेंसी)। मझवां विधानसभा की जीत के बाद जिले की सोशल मीडिया टीम का काशी क्षेत्र के वाराणसी में सम्मान क्षेत्रीय संयोजक अरविंद पांडे द्वारा किया गया। जिसमें क्षेत्रीय संयोजक अतुल पांडे, वाराणसी के जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, राजेश राजभर, प्रांजल मौजूद रहेंघ

सम्मानित किए जाने वाले लोगों में आनंद मैनी, जिला सहसंयोजक विक्रम पटेल, विद्यासागर बिन्द, मंडल महामंत्री राम सिंह का सम्मान काशी क्षेत्र में किया गया। इस मौके पर काफी संख्या में संगठन से जुड़े हुए लोग मौजूद रहे

सिसई घाट के किनारे संदिग्ध परिस्थिति में मिला शव, क्षेत्र में हड़कंप

सहजनवा थाना क्षेत्र के सिसई घाट पर नदी किनारे एक व्यक्ति का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया। सुबह शौच के लिए गए ग्रामीणों ने खेत में घसीटने के निशान देखे और जब नदी किनारे पहुंचे, तो शव पड़ा हुआ मिला। इस घटना से क्षेत्र में दहशत और हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

फर्रुखाबाद में चीते का हमला, 21 लोग घायल

फर्रुखाबाद। बांसगांव संदेश। जिले के खतवापुर गांव में चीते ने हमला कर 21 लोगों को घायल कर दिया। यह घटना सुबह हुई जब किसान खेतों की ओर जा रहे थे। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चीते की मौजूदगी से गांव में डर का माहौल है, और लोग घरों से बाहर निकलने से घबरा रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस और वन विभाग ने चीते को पकड़ने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

अमटौरा गोलीकांड,समाचार कवरेज के लिए पहुचे पत्रकारों को पुलिस ने रोका, जांच के आदेश'

गोरखपुर बांसगांव संदेश।गीडा थाना क्षेत्र के अमटौरा गांव में हुए गोलीकांड ने प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी है। रविवार को बसपा और कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल के पीड़ित परिवार से मिलने के बाद सोमवार को समाजवादी पार्टी का एक डेलिगेशन भी अमटौरा गांव जाने वाला था। इस बीच, स्थानीय पत्रकारों को घटना की कवरेज से रोकने पर विवाद खड़ा हो गया है। सोमवार को पत्रकार समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधि मंडल की कवरेज के लिए गांव पहुंचे थे, लेकिन तैनात पुलिसकर्मियों ने उन्हें गांव में प्रवेश करने से रोक दिया। पत्रकारों ने जब इसका कारण पूछा, तो पुलिसकर्मियों ने कहा कि यह आदेश जिले के उच्चाधिकारियों से है। यह स्थिति तब बनी जब पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे और कई नेताओं को हाउस अरेस्ट किया था। इस पर गीडा थाना प्रभारी विजय कुमार सिंह ने कहा, ष्पत्रकारों को कवरेज से रोकने का कोई आदेश नहीं था। दिनभर पत्रकारों की आवाजाही जारी रही। हो सकता है कि किसी पुलिसकर्मी ने अनजाने में ऐसा किया हो, लेकिन रोकने का कोई आदेश जारी नहीं हुआ था।ष पुलिस अधीक्षक उत्तरी जितेंद्र श्रीवास्तव ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ष्पत्रकारों को रोकने का कोई आदेश नहीं है। यदि किसी पुलिसकर्मी ने ऐसा किया है, तो इसकी जांच कराई जाएगी।ष

यह घटना मीडिया की स्वतंत्रता और पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाती है। स्थानीय पत्रकारों ने इस मामले को लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन मानते हुए नाराजगी जाहिर की है। इस घटना से यह स्पष्ट हो रहा है कि अमटौरा गोलीकांड से जुड़ी खबरों पर रोक लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जो मीडिया की भूमिका को प्रभावित कर सकते हैं।

'गोरखपुर में नए मुख्य राजस्व अधिकारी ने संभाला पदभार'

गोरखपुर में 2014 बैच के पीसीएस अधिकारी अमित कुमार राठौर ने मुख्य राजस्व अधिकारी का पदभार संभाल लिया। जिलाधिकारी कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (वित्त) विनीत कुमार सिंह ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी। राठौर ने बैचलर ऑफ साइंस, मास्टर ऑफ एजुकेशन और मास्टर ऑफ सोशल वर्क की पढ़ाई की है और 2012 में पीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण की। उनकी पहली तैनाती कानपुर देहात में हुई थी।राठौर ने कहा कि राजस्व मामलों का निष्पक्ष निस्तारण किया जाएगा और सरकार की योजनाओं को एसडीएम और तहसीलदारों के सहयोग से लागू किया जाएगा। उनका उद्देश्य गोरखपुर का समग्र विकास सुनिश्चित करना है।

कलियुग दोषों का है खजाना:आचार्य जितेन्द्र राम त्रिपाठी की कथा

गोला गोरखपुर, बांसगांव संदेश। ग्राम सभा हड़हाभार में चल रही संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में आचार्य जितेन्द्र राम त्रिपाठी ने कहा कि ष्कलियुग दोषों का खजाना हैष् लेकिन इसमें एक महान गुण है, जो सतयुग में केवल समाधी और त्रेता में यज्ञ करने से प्राप्त होता था, वही भगवान का नाम का जप कलियुग में मिल जाता है। आचार्य जी ने राजा परीक्षित के श्राप और शुकदेव भगवान की कथा सुनाते हुए बताया कि मनुष्य का कर्म ही उसके सुख और दुख का कारण होता है। आचार्य जी ने जीवात्मा की अमरता पर भी प्रकाश डाला, यह बताते हुए कि जीवात्मा मरकर नया शरीर धारण करता है। कथा के दौरान मुख्य यजमान डॉ. नागेन्द्र पाण्डेय और श्रीमती शांति देवी ने आचार्य जी का पूजन किया। कथा में सैकड़ों लोग उपस्थित थे, जिनमें महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी शामिल थे।

दवा खिलाने से दो गावों में मरी चार दर्जन से अधिक भेड़ें

गोला गोरखपुर, बांसगांव संदेश। गोला थाना क्षेत्र के परसा उर्फ अगलहवा और ऊंचगांव में पशु पालकों द्वारा दवाइयों के सेवन के बाद 40 से अधिक भेड़ों की मौत हो गई। परसा गांव के चंद्रभान ने आरोप लगाया कि एक पशु चिकित्सक ने उसे दवाइयां दीं, जिसके बाद उसकी भेड़ें तड़पकर मरने लगीं।

इसी तरह ऊंचगांव में भी एक और पशु पालक ने दवा खिलाने के बाद 24 भेड़ों की मौत की सूचना दी। पशु चिकित्सक डॉ. बीएन त्रिपाठी ने कहा कि दवा का ओवरडोज होने के कारण यह घटना घटी। मृत भेड़ों के शवों को दफनाया गया है और इलाज किए जा रहे जीवित भेड़ों का उपचार जारी है। इस मामले में पीड़ितों ने थाने में तहरीर दी है, और पीएम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

केयान डिस्टीलरी प्राइवेट लिमिटेड गीडा में माक ड्रिल का आयोजन

सहजनवां। बांसगांव संदेश। केयान महाप्रबंधक मानव संसाधन अमित कुमार टीम ने निर्माणधीन इथेनॉल प्लांट में मॉक और आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित आयोजित की गई।मॉक ड्रिल का आरंभ बजने से हुआ। इसके बाद, गीडा की सुरक्षा कर्मियों ने मिलकर बेहद उत्कृष्ट के लिए अपनी रणनीतियों का अभ्यास के तरीकों और सुरक्षा सावधानियों पर जानकारी प्राप्त की। फायर ऑफिस से अभिषेक तिवारी, आदित्य विश्वकर्मा के हेड अंकुर गंगवार, कैलाश श्रीवास्तव, कुमार सहित समस्त सुरक्षाकर्मियों ने ड्रिल से निपटने की बारीकियों को समझते हुए न केवल सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन के सबसे बड़े इथेनॉल प्लांट की सुरक्षा डिस्टीलरी प्राइवेट लिमिटेड के सहायक पांडेय के अनुरोध पर गीडा की फायर ड्रिल का आयोजन किया। यह ड्रिल सुरक्षा प्रतिक्रिया की क्षमता को परखने के लिए दो बजकर चालीस मिनट पर सायरन फायर टीम और केयान डिस्टीलरी के ढंग से आपातकालीन स्थिति से निपटने किया। इस दौरान टीम ने खतरों से निपटने विशेष ध्यान दिया और सभी बिंदुओं पर भगवान सिंह, उप निरीक्षक शैलेन्द्र यादव, साथ–साथ केयान डिस्टीलरी के प्रोजेक्ट आशीष राय, विनोद तिवारी और अजीत में भाग लिया। उन्होंने आपातकालीन स्थिति पूरी ड्रिल को गंभीरता से परखा।यह ड्रिल सुनिश्चित करती है, बल्कि इससे पूर्वांचल और उत्पादन क्षमता को भी बढ़ावा मिलेगा। इस प्लांट से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से तीन हजार लोगों को रोजगार मिलेगा, और किसानों के लिए एक नया स्वर्णिम युग शुरू होगा।

भारत विकास परिषद 300 वीं जयंती पर विविध कार्यक्रम का आयोजन

गोरखपुर । बांसगांव सन्देश। भारत विकास परिषद गोरक्ष प्रांत के श्री राघव शाखा द्वारा एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। जिसमें प्रांत के महासचिव डॉ डी के सिंह एवं प्रवास एवं मुख्य वक्ता के रूप में प्रांत की सहभागिता श्रीमती अंजना राजपाल उपस्थित श्री राघव शाखा में उपाध्यक्ष महिला थी। श्रीमती अंजना ने रानी अहिल्याबाई होलकर की जीवनी की शौर्य गाथा बताते हुए बताया कि आज के परिवेश में महिलाएं सशक्त हो रही हैं। घरों से बाहर निकल करके समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपने कार्यों को संपादित कर रही हैं। श्री राघव शाखा ने जिस प्रकार प्रयास कर महत्वपूर्ण कार्यों के द्वारा समाज में स्थान बनाया वह निसंदेह सराहनीय है। आज यहां पर महिलाएं काफी संख्या में उपस्थित हैं, इसके लिए मैं श्री राघव शाखा की अध्यक्ष डॉक्टर श्वेता सिंह का हार्दिक अभिनंदन करती हूं। जिन्होंने अपने कार्यों के द्वारा इन महिलाओं को सशक्त बनाया, उसी का उदाहरण है आज इतनी बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित हैं। इस अवसर पर राघव शाखा की अध्यक्ष डॉ.श्वेता सिंह ने बताया कि हमें जैसे जिस प्रकार दिशा निर्देश मिलता है । हम अपने सदस्यों के द्वारा उस उत्तरदायित्व का पालन करते हैं। सबका साथ सबके सहयोग के द्वारा ही इसी कार्यों को संपादित किया जा सकता है।इस अवसर पर प्रांत के महासचिव द्वारा शाखा के कार्यों की समीक्षा की गई एवं नया मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध पर्यावरणविद एवं डॉक्टर शोभित श्रीवास्तव तथा अदिति सिंह ने किया। श्री राघव शाखा की कोषाध्यक्ष डॉ.राज गुप्ता द्वारा वार्षिक रिपोर्ट की समीक्षा की गई तथा आने वाले भविष्य में नए कार्यों की समीक्षा की गई।कार्यक्रम में नीलू, वैशाली, अर्चना, रवि दुलारे, जितेंद्र शोभित श्रीवास्तव आदि गणमान्य सदस्य एवं पत्रकार उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय विद्यालय प्रबन्धक संघ के प्रदेश महामंत्री अशोक त्रिपाठी के आकस्मिक निधन से प्रदेश के निजी विद्यालय प्रबंधक शोक में डूबे

गोरखपुर। बांसगांव सन्देश। राष्ट्रीय विद्यालय प्रबन्धक संघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश महामंत्री अशोक त्रिपाठी के आकस्मिक निधन से उत्तर प्रदेश के संगठन गोरखपुर के प्रबंधकों में शोक की लहर दौड़ गई और स्व त्रिपाठी के बस्ती आवास पर प्रबंधकों का जमावड़ा लगा हुआ है । राष्ट्रीय विद्यालय प्रबन्धक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा गोस्वामी गौरव भारती ने कहा कि स्व अशोक त्रिपाठी राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ के प्रदेश महामंत्री होते हुए प्रबंधन की अनेक समस्याओं के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करने में प्रबंधकों का नेतृत्व किया । उनकी क्षति कभी भी पूरी नहीं की जा सकती है । राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ के लिए अपूर्णीय क्षति है, उनके जैसे ओजस्वी वक्ता, वरिष्ठ समाजसेवी, पर्यावरण विद् का जाना समाज के लिए एक ऐसी शून्यता को प्रदान करता है जिसे भरपाना संभव नहीं होगा । प्रदेश महामंत्री डा विनीत कुमार मिश्र, प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह, जिलाध्यक्ष गोरखपुर गणेश प्रसाद शर्मा की स्व त्रिपाठी के साथ काम करने का जो अवसर मिला उसे हम कभी नहीं भूलेंगे । उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और सुझाव सदैव हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा । जिला महामंत्री शिवांश त्रिपाठी, जिला मीडिया प्रभारी कन्हैया लाल जायसवाल, कृष्ण कुमार मिश्र जिला उपाध्यक्ष, गुनागर जिला मंत्री, महानगर अध्यक्ष अनवर अली, जिला कार्यालय प्रभारी उमेश चौधरी सहित सभी प्रबन्धकों ने शोक संवेदना व्यक्त किया।

टीपीएल सीजन 3 के दूसरे दिन का रोमांचरू पंकज, राजबहादुर और अरुण बने मैन आफ द मैच

चौरी चौरा, गोरखपुर। बांसगांव संदेश।टीपीएल सीजन 3 क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन मजीठिया क्रिकेट ग्राउंड पर तीन शानदार मुकाबले खेले गए। दिन की शुरुआत बीएमबी ब्रह्मपुर और बीआरएस ब्रह्मपुर के बीच हुए मैच से हुई, जिसमें बीएमबी ब्रह्मपुर की टीम ने बाजी मारी। दिनभर चले इन रोमांचक मुकाबलों में पंकज यादव, अरुण यादव और राज बहादुर यादव ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीत लिया और मैन ऑफ द मैच का खिताब हासिल किया। बीएमबी ब्रह्मपुर बनाम बीआरएस ब्रह्मपुर के बीच खेला गया।बीएमबी ब्रह्मपुर के कप्तान पंकज सिंह ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का निर्णय लिया। बीआरएस ब्रह्मपुर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में मात्र 44 रन बनाए। बीएमबी ब्रह्मपुर ने इस छोटे लक्ष्य को आसानी से 6 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पंकज यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 रन बनाए और 2 विकेट झटके, जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। दूसरे मैच का शुभारंभ सरदार नगर की अध्यापिका शिवांगी सिंह राजपूत और प्रीति ने किया। सरदार नगर के कप्तान रितेश सिंह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। उनकी टीम ने 10 ओवर में 85 रन का लक्ष्य दिया। पिपरौली की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए मात्र 65 रन ही बना पाई। सरदार नगर की जीत के नायक अरुण यादवरहे, जिन्होंने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से मैच में जान डाल दी और मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया। कप्तान रितेश सिंह ने भी बेहतरीन खेल दिखाया। दिन का आखिरी मैच बीएमबी ब्रह्मपुर और जंगल कौड़िया के बीच हुआ। टॉस जीतकर बीएमबी ब्रह्मपुर के कप्तान पंकज सिंह ने पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। प्रवेज के शानदार 50 और राज बहादुर यादवके धुआंधार 89 रनों की बदौलत टीम ने 160 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

जवाब में जंगल कौड़िया की टीम 51 रन पर ही सिमट गई। इस शानदार प्रदर्शन के लिए राज बहादुर यादव को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच का संचालन आनंद यादव ने किया, जबकि लाइव प्रसारण राजेंद्र कुमार और तकनीकी सहायक आशुतोष गुप्ता ने संभाला। टूर्नामेंट का आयोजन ब्रह्मपुर बांसगांव के अमरेंद्र शाही और पंकज सिंह द्वारा किया जा रहा है।

कर्मचारियों की अनुपस्थिति और सफाई पर जताई नाराजगी,, जिम्मेदारो को लगाई कड़ी फटकार

उतरौला/बलरामपुर (। सोमवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर, डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उतरौला का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सा व्यवस्था, साफ–सफाई, और कर्मचारियों की उपस्थिति का गहन मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. शालिनी मिश्रा, बीएएम लाल बाबू मौर्या, बीपीएम पवन कुमार श्रीवास्तव, एलटी अशोक कुमार मिश्रा, एक्स–रे टेक्नीशियन गयासुद्दीन, संविदा एलटी ओम प्रकाश, और स्टाफ नर्स ऋचा सिंह तथा सुमन पाण्डेय अनुपस्थित पाए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने इन कर्मचारियों की अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया और निर्देश दिया कि इन कर्मचारियों का वेतन उनके अनुपस्थित अवधि के दौरान रोका जाए।

निरीक्षण के दौरान सीएचसी में 350 ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) देखे गए थे, साथ ही पांच गर्भवती महिलाओं का प्रसव भी कराया गया। भर्ती मरीजों की संख्या 07 थी, और पैथोलॉजी जांच की संख्या 45 थी। हालांकि, चिकित्सालय परिसर की साफ–सफाई असंतोषजनक पाई गई, जिस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने नाराजगी जताई और अधीक्षक डॉ. चंद्र प्रकाश को निर्देशित किया कि वे अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त कर अपनी रिपोर्ट मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में प्रेषित करें। साथ ही, सीएचसी की साफ–सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उतरौला में चल रहे प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का भी निरीक्षण किया। इस अभियान के दौरान कुल 1502 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई। इनमें से 167 महिलाएं उच्च जोखिम वाली पाई गईं। इसके अलावा, 340 गर्भवती महिलाओं का अल्ट्रासाउंड किया गया। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र उतरौला के स्टाफ भी मौजूद रहे, जिन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देशों के तहत विभिन्न कार्यों को पूरा किया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को जल्द सुधारने की बात कही और अधीक्षक डॉ. चंद्र प्रकाश को सीएचसी की चिकित्सा सेवाओं और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों की अनुपस्थिति को गंभीर माना और भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न होने की चेतावनी दी। साथ ही, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान की सफलता की सराहना की और इसे और प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

पिपरिया में जनवादी लेखक संघ का वैचारिक आयोजन पुस्तक चर्चा के साथ काव्य पाठ भी

पिपरियाः छत्तीसगढ़। जनवादी लेखक संघ, कवर्धा जिला इकाई द्वारा वैचारिक कार्यक्रम कबिरा खड़ा बजार में तथा पीएमश्री स्वामी आत्मानंद हायर सेकेण्डरी शाला पिपरिया के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में दुर्ग के दो साहित्यकारों बद्रीप्रसाद पारकर तथा कमलेश चंद्राकर की पुस्तकों पर चर्चा हुई। बद्रीप्रसाद पारकर की पुस्तक ष्धीरे–धीरे उतरे पारष् पर लेखक एवं पत्रकार नीरज मंजीत ने आलेख पठन करते हुए कहा कि यह जीवनी पठनीय है, प्रेरक और संग्रहणीय भी। दुर्ग जिले के रचनाकारों ने लगातार साहित्य की दुनियां में नाम किया है। उनकी सक्रियता प्रेरणास्पद है। कवर्धा में भी अच्छी टीम बनी है, जो पूरी ऊर्जा से काम कर रही है। कवि एवं समीक्षक अजय चंद्रवंशी ने कहा कि केंवट समाज में जन्में लेखक बद्रीप्रसाद पारकर ने संघर्ष की गाथा को जिस ढंग से लिखा है, वह प्रशंसनीय है। समाज में निचले

विधायक को पत्रक देकर हाजीपुर पुल निर्माण को पूरा कराने की उठी मांग

गोला गोरखपुर, बांसगांव संदेश।

निर्माणाधीन हाजीपुर पुल के निर्माण को पुनः शुरू कराने और गोला क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन की मांग को लेकर उपनगर गोला के वार्ड नंबर 18 के सभासद श्रवण कुमार वर्मा ने स्थानीय विधायक राजेश त्रिपाठी को पत्रक सौंपा। पत्रक में सभासद ने मांग की कि गोला हाजीपुर पुल का निर्माण रुक चुका है, जो यातायात और रोजगार के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। पुल के निर्माण से न केवल क्षेत्रीय विकास होगा, बल्कि आजमगढ़ तक रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसके अलावा, गोला से जिला मुख्यालय, बड़हलगंज, उरुवा जाने के लिए इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से यात्रियों को लाभ होगा। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन गिरधारीलाल स्वर्णकार भी उपस्थित रहे।–

सरयू अमृत महोत्सव 2024 - तहसील स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता 15 दिसंबर को

गोला गोरखपुर, बांसगांव संदेश। सरयू अमृत महोत्सव 2024 के तहत, धुरियापार के पूर्व विधायक डॉ. अच्युतानंद तिवारी के स्मृति में तहसील स्तरीय रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन 15 दिसंबर 2024 को गोला बाजार के रामलीला मैदान में किया जाएगा। भाजपा जिला कोषाध्यक्ष शत्रुघ्न कसौधन ने जानकारी दी कि अब तक 10 विद्यालयों के बच्चों ने प्रतियोगिता में रजिस्ट्रेशन कराया है। प्रतियोगिता के मुख्य संयोजक चिल्लूपार के विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि इस बार महोत्सव को ऐतिहासिक रूप से मनाया जाएगा, जिसमें विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। विजेताओं को नगद पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिए जाएंगे, और उन्हें

21 दिसंबर को सरयू अमृत महोत्सव के मंच से सम्मानित किया जाएगा।

सोनिया गांधी जी का जन्मदिन मनाया गया

कैम्पियरगंज गोरखपुर।बांसगांव सन्देश। कैम्पियरगंज विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस जनों द्वारा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष एवं सांसद श्रीमती सोनिया गांधी जी का बड़े ही हर्सोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जनों ने उनके राजनीतिक जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके पति पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी की हत्या के बाद वह राजनीति में सन 1998 में आई । उन्होंने 7 वर्ष तक भारतीय नारी की संस्कृत एवं संस्कार की एक मिसाल प्रस्तुत किया । सन 2004 में उन्होंने पूरे देश का दौरा किया तथा कई राजनीतिक दलों को एक साथ जोड़कर संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन यूपीए का गठन किया तथा उसका अध्यक्ष बनी । सन 2004 में हुए लोकसभा चुनाव में उनके नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी को बहुमत मिला लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री पद का त्याग कर डॉक्टर मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनने का प्रस्ताव कर दिया। पुनः सन् 2009 में भी लोकसभा चुनाव कांग्रेस पार्टी को प्रचंड बहुमत मिला लेकिन उस समय भी उन्होंने एवं राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पद त्याग कर पुनः डॉक्टर मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने का प्रस्ताव कर दिया । इस प्रकार डॉक्टर मनमोहन सिंह 10 वर्ष तक प्रधानमंत्री बने रहे । इस प्रकार प्रधानमंत्री पद का परित्याग करने वाली सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी ने इस देश के इतिहास में भूतपूर्व रूप से अपना नाम दर्ज करा दिया।

अन्नदाता बिचौलियों के हाथों औने पौने दामो मे धान बेचने को मजबूर

सादुल्लानगर/बलरामपुर सरकार द्वारा धान की खरीदी के लिए बनाए गए क्रय केंद्रों की कमी के कारण किसान अपनी उपज बिचौलियों को औने–पौने दाम पर बेचने को विवश हो रहे हैं। यह स्थिति किसानों की मेहनत पर सीधा असर डाल रही है और न्यूनतम समर्थन मूल्य (डैच) का लाभ उन तक पहुंचाने में असफल साबित हो रही है।धान की फसल कटाई के बाद मंडियों में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया है, लेकिन क्रय केंद्रों की कमी और उनके संचालन में देरी ने किसानों को भारी नुकसान की ओर धकेल दिया है। किसान अपनी उपज लेकर घंटों मंडियों में इंतजार करते हैं, लेकिन खरीद प्रक्रिया में देरी और केंद्रों पर अव्यवस्था की वजह से उनकी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं।

इलाकों में क्रय केंद्र पर्याप्त संख्या में नहीं हैं। जो केंद्र मौजूद हैं, वे भी कागजी कार्यवाही और तकनीकी खामियों के चलते किसानों को निराश कर रहे हैं।रेहराबाजार के किसान शेषराम,हनुमान प्रसाद वर्मा राम बचन,उदयभान,तित्तीर, भरोसे, राधेश्याम श्रीवास्तव व गंगाराम कहते हैं, कि धान क्रय केन्द्र नही होने से मजबूरी में हमें बिचौलियों को 1500 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से धान बेचना पड़ा, जबकि सरकार ने 2300 व ग्रेट ए 2320रुपये प्रति क्विंटल का वादा किया था।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।